राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 3 नवम्बर 2020 वर्ष–3, अंक –278 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाईकोर्ट ने कहा, धर्म बदले बगैर वैवाहिक जीवन बिता सकते हैं अलग-अलग धर्म के युगल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि बालिग लड़का व लड़की अपनी मर्जी से किसी भी व्यक्ति के साथ रह सकते हैं। उनके जीवन में हस्तक्षेप करने का किसी को अधिकार नहीं है। हालांकि संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पसंद का धर्म अपनाने का अधिकार देता है लेकिन महज शादी के लिए धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। विशेष विवाह अधिनियम के तहत बिना धर्म बदले विपरीत धर्म को मानने वाले शादी करके वैवाहिक जीवन बिता सकते हैं। यह कानून सभी धर्म पर लागू है। इसके बावजूद लोग शादी करने के लिए धर्म परिवर्तन कर रहे हैं, जो सही नहीं है। इसी के साथ कोर्ट ने विपरीत धर्मों के याचियों को अपनी मर्जी से कहीं भी किसी के साथ रहने के लिए स्वतंत्र कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने सहारनपुर की पूजा उर्फ जोया व शाहवेज की याचिका पर दिया है। पूजा ने घर से भागकर शाहवेज से शादी कर ली। जब परिवार को पता चला तो घर में नजरबंद कर दिया, जिस पर यह

याचिका दाखिल की गई। कोर्ट ने लड़की याची को पेश करने का निर्देश दिया। पिता द्वारा पेश न करने पर एसपी सहारनपुर को लड़की को पेश करने का निर्देश दिया। कोर्ट में पेश लड़की ने कहा कि वह अपने पति के साथ रहना चाहती है। कोर्ट ने उसे अपनी मर्जी से जाने के लिए स्वतंत्र कर दिया।

बिहार चुनाव प्रचार के दौरान स्थिर हैं पेट्रोल-डीजल के दाम, कीमत तय करती हैं पेट्रोलियम कंपनियां

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पिछले एक माह से कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। यह पहला मौका नहीं है, जब चुनाव के दौरान पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्यों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इससे पहले भी कई चुनाव में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहे या उनमें कम होने का रुझान रहा। पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर सरकार को कोई नियंत्रण नहीं है। पेट्रोल को 2010 और डीजल 2104 में सरकार के नियंत्रण से बाहर है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां 16 जून 2017 से प्रतिदिन पेट्रोल-डीजल की कीमत तय करती है। इससे पहले हर 15 दिन पर दाम तय किए

जाते थे। पर अक्सर ऐसा हुआ है कि चुनाव के वक्त पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर हो जाते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उनमें कोई बदलाव भी होता है, तो सिर्फ कम करने के लिए किया जाता है।

वर्ष 2018 में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में 24 अप्रैल से 14 मई तक कोई बदलाव नहीं हुआ। क्योंकि, कर्नाटक में 12 मई को वोट डाले गए थे। पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के दिल्ली के आंकड़े बताते हैं कि ऐसा सिर्फ कर्नाटक चुनाव में नहीं हुआ। इसी साल गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार कम होते रहे। दूसरे और आखिरी चरण का मतदान खत्म होने के बाद 12 दिसंबर 2018 को सिर्फ नौ पैसे की वृद्धि हुई।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नरमी का रुझान रहा। चुनाव प्रचार की शुरुआत में 23 अक्तूबर 2018 को पेट्रोल की कीमत 81.34 रुपये और डीजल के दाम 74.85 रुपये थे। 20 नवंबर को जब चुनाव खत्म हुआ, उस वक्त पेट्रोल की कीमत कम होकर 76.38 और डीजल के दाम 71.27 रुपये प्रति लीटर थी। इस साल की शुरुआत में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर रही।

पिछले लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी कीमत स्थिर या कमी का रुझान रहा। एक-दो बार बहुत मामूली बढ़त हुई, पर यह बढ़त एक-दो दिन में ही कम हो गई। हालांकि, इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्रीकांत माधव वैद्य ने पिछले दिनों कहा था कि कच्चे तेल की कीमत बहुत अधिक बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए, पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव की जरुरत नहीं है।

कोरोना का इलाज ढूंढ़ने के लिए अपनी जान पर खेल रहे वैज्ञानिक, खुद को दोबारा संक्रमित कर प्रयोग किया

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए वैज्ञानिक अपनी जान पर खेलकर इसका इलाज ढूंढ़ रहे हैं। रूस के 69 वर्षीय एक वैज्ञानिक ने खुद को दोबारा संक्रमित करने का जोखिम लिया ताकि वह दोबारा संक्रमण के खतरे का पता लगा सकें। वहीं, हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने ट्रायल टीके की खुराक सबसे पहले खुद को लगाकर उसका असर देखा। कोरोना का जल्द से जल्द इलाज लाने की कोशिश में वैज्ञानिक अपने प्रयोगों को सबसे पहले अपने ऊपर आजमाकर उसका असर जानना चाहते हैं।

रूस के 69 वर्षीय प्रोफेसर डॉ. अलेक्जेंडर चेपर्नोव ने खुद को संक्रमित करने का जोखिम उठाकर उदाहरण पेश किया है। वे इंस्टीट्यूट ऑफ क्लीनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन में बतौर प्रोफेसर कार्यरत हैं। वे फरवरी में संक्रमित हो गए थे, इस घटना का उन्होंने वैज्ञानिक परीक्षण में उपयोग किया ताकि हर्ड इम्युनिटी की संभावना का पता लगाया जा सके। उन्होंने अपने शरीर की जांच में पाया कि पहली बार संक्रमित होने के तीन महीने बाद ही उनके शरीर में कोरोना

की एंटीबॉडी घटने लगी थीं। छठे महीने में वे पूरी तरह नष्ट हो गईं। फिर उन्होंने खुद बिना मास्क लगाए पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आना शुरू कर दिया और उन्होंने पाया कि कुछ दिनों में ही वे दोबारा संक्रमित हो गए। इस बार उन्हें अस्पताल में इलाज कराने की नौबत आ गई। इस प्रयोग से उन्होंने पाया कि शरीर में एंटीबॉडीज बहुत तेजी से नष्ट होती हैं इसलिए किसी बड़े समूह में प्रतिरक्षा पैदा करना संभव नहीं है।

20 वैज्ञानिकों ने खुद पर परखा टीका

कोविड का टीका आने तक संक्रमण के असर को कम करने के लिए 20 अमेरिकी वैज्ञानिकों ने एक नेजल ट्रायल वैक्सीन विकसित कर इसका खुद पर परीक्षण किया। इस दल में हॉर्वर्ड मेडिसिन स्कूल के जीन विशेषज्ञ जॉर्ज चर्च समेत कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शामिल हुए। इस अनोखे प्रयोग की जानकारी एमआईटी टेक्नोलॉजी रिव्यू रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुई है। इस तरह तैयार किए जाने वाले टीकों को 'डू इट योर सेल्फ वैक्सीन' श्रेणी में रखा जाता है।

चीनी वैज्ञानिक ने सबसे पहले खतरा उठाया

चीन के तिआनजिन विश्वविद्यालय के प्रतिरक्षा विज्ञानी हुआंग जिनाई ने फरवरी में कोविड-19 का टीका बनाने के लिए जान जोखिम में डाल दी जो कि कोरोना से जुड़ा संभवत- पहला ऐसा मामला था। उन्होंने जानवरों पर परीक्षण किए जाने से पहले ही एक ट्रायल टीके की चार खुराक ले लीं। यह टीका उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में विकसित किया था। इस प्रयोग के बाद वैज्ञानिक सुरक्षित रहे और बाद में यह खुराक चीनी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के प्रमुख गॉ फू ने भी ली।

रूसी टीके की पहली खुराक वैज्ञानिक ने ली

मॉस्को स्थित गमलेया रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक अलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग कुछ दिन पहले एक ट्रायल वैक्सीन की खुराक लेने के कारण चर्चा में आए। इस वैक्सीन का ह्यूमन परीक्षण कर यह पता लगाया जाना बाकी था कि यह इंसानों पर कैसा असर करती है। इस परीक्षण से पहले ही निदेशक अलेक्जेंडर ने टीके की खुराक लेकर अपने वैज्ञानिकों का उत्साह बढ़ाया।

विशेषज्ञ की राय

बायोएथिक्स इतिहास के प्रोफेसर सुसान लेडरर का कहना है कि चिकित्सा के इतिहास में आत्मप्रयोग एक मान्यता प्राप्त परंपरा है। किसी वैज्ञानिक प्रयोग के लिए अपने शरीर या अपने बच्चे को खतरे में डालना उस प्रयोग के प्रति आम लोगों में विश्वास पैदा करता है।

गुज्जर समुदाय ने विरोध के चलते ब्लॉक किए रेलवे ट्रैक, आरक्षण की मांग

नई दिल्ली। भरतपुर जिले के पीलूपुरा गांव में बड़ी संख्या में गुर्जर इकट्ठा हुए उन्होंने शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन किया। अधिकारियों ने कहा कि कुछ आंदोलनकारियों ने पीलूपुरा से होकर गुजरने वाली मुंबई-दिल्ली रेल पटरियों को क्षतिग्रस्त किया जिसके बाद विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया। अधिकारियों ने कहा कि लगभग 3 बजे कुछ आंदोलनकारियों ने मुंबई-दिल्ली पटरियों की फिश प्लेट को उखाड़ दिया और कुछ ने बयाना-हिंडौन मार्ग को ब्लॉक कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ समय बाद पटरियों को साफ कर दिया गया। भरतपुर के जिला कलेक्टर नाथमल दीदाल ने कहा, गुर्जर नेता किरोड़ीलाल बैंसला पीलूपुरा पहुंचे, जहां उन्होंने [खेल और युवा मामलों के मंत्री] अशोक चांदना से बातचीत की। गुर्जर नेता ने मंत्री से समुदाय के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछा। वार्ता सकारात्मक थी। कल भी हमने गुर्जर समुदाय के एक धड़े के साथ बैठक की थी, जो राज्य सरकार के आश्वासन से संतुष्ट थे। कोटा संभाग से गुजरने वाली दिल्ली-मुंबई लाइन पर रेलवे यातायात को भी रोक दिया गया। एके पाल, कोटा मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक ने कहा, भरतपुर में गुर्जर आंदोलन के कारण दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर रेल यातायात रोक दिया गया है। कोटा रेलवे डिवीजन के सभी स्टेशनों पर अलर्ट लग चुका है। इस बीच, आंदोलन के कारण पहले ही रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस के 450 कर्मी कोटा रेलवे डिवीजन में तैनात हैं। विशेष रूप से भरतपुर और करौली में पूर्वी राजस्थान के जिलों में गुर्जर बहुल इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल भेजा जाएगा। कानून और व्यवस्था के पुलिस महानिदेशक, सौरभ श्रीवास्तव ने कहा, हम मुख्यालय से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

मांग बढ़ाने के लिए सरकार दिवाली से पहले ला सकती एक और राहत पैकेज, मोदी सरकार कर रही है तैयारी

नई दिल्ली। कोरोना संकट से भारतीय अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए सरकार दिवाली से पहले एक और राहत पैकेज की घोषणा कर सकती है। तीसरे राहत पैकेज से रोजगार बढ़ाने और कविड-19 के चलते सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों को राहत पहुंचाने की तैयारी है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार इस पैकेज के तहत शहरी परियोजनाओं के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को बढ़ावा दे सकती है। वहीं, उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम में और कई सेक्टर को शामिल करने की योजना है। मोबाइल मैन्यूफैक्चिरंग में पीएलआई स्कीम का बहुत ही बढ़िया रिस्पांस रहा है। कई विदेशी मोबाइल कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश के लिए सरकार के साथ करार किया है। इससे आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होंगे। इसके अलावा आतिथ्य और पर्यटन इंडस्ट्री के लिए सीधे मदद दी जा सकती है। सरकार के इस राहत पैकेज के जरिये नौकरियों के अवसर बढ़ाने का पूरा प्लान है। तीसरे पैकेज में सरकार का जोर टीयर-1 से लेकर टीयर-4 (छोटे से बड़े शहर) तक की परियोजनाओं पर होगा। इन परियोजनाओं में निवेश बढ़ाकर रोजगार के नए मौके पैदा किए जा सकते हैं। सरकार ने इस बार प्रोत?साहन पैकेज के लिए नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन से 20-25 परियोजनाओं को चुना है। इनमें पूंजी का खर्च तेजी से बढ़ाया जा सकता है। नवी मुंबई और ग्रेटर नोएडा में बन रहा एयरपोर्ट भी इसमें शामिल है।

वित्त मंत्री ने दिए थे संकेत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में संकेत दिए थे कि तीसरे राहत पैकेज का विकल्प खुला है। उन्होंने कहा था कि सरकार कोरोना से भारतीय अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। इसके बाद वित्त मंत्रालय के अधिकारियों से ओर भी इस बात की पुष्टि की गई थी तीसरे राहत पैकेज पर काम चल रहा है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि दिवाली से पहले राहत पैकेज देकर सरकार मांग

सूत्रों के अनुसार, सरकार इस पैकेज के तहत शहरी परियोजनाओं के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को बढ़ावा दे सकती है। वहीं, उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम में और कई सेक्टर को शामिल करने की योजना है। मोबाइल मैन्यूफैक्चिरंग में पीएलआई स्कीम का बहुत ही बढ़िया रिस्पांस रहा है। कई विदेशी मोबाइल कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश के लिए सरकार के साथ करार किया है।

बढ़ाने की पूरजोर कोशिश करेगी।

शहरी मनरेगा योजना को टाला जाएगा

हालांकि, सरकार ने अब शहरी रोजगार योजना के प्रस्ताव में निवेश को टाल दिया है। इस मामले में पॉलिसी मेकर्स का कहना था कि शहरी परियोजनाओं में जुड़ी केंद्र और राज्य सरकारों की कंपनियों में निवेश से भी रोजगार के मौके बढ़ेंगे। लिहाजा अलग से योजना में पैसा लगाने की जरूरत नहीं है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत

कारों की बिक्री ने रफ्तार पकड़ी

त्योहारी मौसम के शुरुआती दौर में नवरात्र के दौरान कारों की बिक्री में शानदार तेजी देखी गई लेकिन दोपहिया वाहनों की बिक्री रफ्तार नहीं पकड़ पाई। कार कंपनियों और डीलरों के अनुसार नवरात्र के नौ दिन के दौरान अधिकतर कार कंपनियों की बिक्री पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 20-30 फीसदी बढ़ी है। इस नौ दिनों में 200,000 लोगों ने नई कार खरीदी है। सूत्रों के अनुसार मारुति सुजुकी ने त्याहारों के दौरान करीब 85,000 से 90,000 कारों की आपूर्ति की, जबकि पिछले साल इस दौरान 60,000 से 65,000 कारों की बिक्री हुई थी।

ई-कॉमर्स की पहली सेल हिट

नवरात्रि को लेकर शुरू की गई ई-कॉमर्स कंपनियों की पहली सेल हिट रही है। ई-कॉमर्स कंपनियों ने इस दौरा 29,000 करोड़ रुपये के सामान की बिकी की है। रेडसीर ने यह जानकारी दी है। पहले त्योहारी सेल में ई-कॉमर्स पर हर मिनट 1.5 करोड़ वैल्यू के स्मार्टफोन्स बेचे गए। पिछले साल के मुकाबले, ऐवरेज बिल वैल्यू में 10-15 फीसदी की तेजी आई है। इसका कारण यह है कि कस्टमर्स ने प्रीमियम और वैल्यू प्रॉडक्ट की ज्यादा खरीदारी की है। सुधार फैशन और अपैरल्स की बिक्री में भी हुआ है, लेकिन यह अभी तक पिछले साल के स्तर तक नहीं पहुंच पाया है।

ऑफलाइन रिटेल सेल में भी तेजी

ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन रिटेल सेल में भी तेजी दर्ज की गई है। भारत के शीर्ष स्मार्टफोन और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानदों के अनुसार, दशहरा सेल में पिछले साल के मुकाबले बिक्री में करीब 10-20 फीसदी की तेजी आई है। रिटेलर्स के अनुसार, इस बार मांग काफी बेहतर है। लोगों द्वारा कंज्यूमर ड्यूरेबल उत्पादों की मांग खूब रही है। ऐसे में उन्हें दिवाली के अवसर पर अच्छी बिक्री की उम्मीद है। एलजी, सैमसंग, विजय सेल्स, क्रोम, ग्रेट इस्टर्न रीटेल आदि का कहना है कि इस सेल में खरीदारी ने मीडियम और प्रीमियम प्रॉडक्ट की ज्यादा खरीदारी की है।

दिल्ली के प्रदूषण पीएम 2.5 में 40 प्रतिशत योगदान 3000 जगहों पर पराली की आग का

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों ने कहा कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली में आग लगने की 3,000 से अधिक घटनाओं ने शनिवार को दिल्ली की हवा में PM2.5 लोड का 40त्न योगदान दिया। रविवार को सैटेलाइट थर्मल इमेजिंग में ऊपर से दिखाई देने वाली आग के 6,000 से अधिक बिंदुओं के साथ, दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता और भी खराब कर सकती है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मीटिरोलॉजी के अनुसार, दिल्ली की ओर उत्तर-पश्चिमी हवाओं के झोंके उत्तर-पश्चिमी राज्यों से प्रदूषण के कणों को ला रहे हैं, जहां हिमालय की ओर से ठंडी हवा के पराली का धुआ भी आ रहा है। किसान नेताओं ने कहा कि पंजाब में खरीफ की फसल की कटाई पूरी होने तक कम से कम 10 दिनों तक खेत में आग लगी रहेगी। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने कहा कि पंजाब एनसीआर (3,616), हरियाणा (162), यूपी (47) और एमपी (404) में शनिवार को भारी मात्रा में आग देखी गई, जो दिल्ली एनसीआर और पूरे उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही है।

आईएमडी के वायु गुणवत्ता प्रभाग के विजय सोनी ने कहा कि आज 6,000 से अधिक अग्नि बिंदु दिखाई दे रहे हैं जो बहुत अधिक है। हवा की गति कम होने पर दिल्ली में हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में आ सकती है।

भारतीय किसान यूनियन के महासचिव हरिंदर सिंह लखोवाल ने इस बात पर सहमति जताई कि खेत की आग की संख्या असामान्य रूप से अधिक है। यह दो कारणों से है। एक तो यह कि किसान खेत के बिल के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। वे निर्देशों का पालन करने के मूड में नहीं हैं। दूसरा वे अगले 10 दिनों में कटाई पूरी करना चाहते हैं। व्यापक आंदोलन के कारण कानून लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा भी थोड़ी निगरानी की जाती है। खेत की आग विशेष रूप से बरनाला, भटिंडा, लुधियाना और आसपास के क्षेत्रों में अधिक है। हालांकि सोनी ने कहा कि यदि हवा की अच्छी गति नहीं रही, तो दिल्ली की हवा गंभीर 'श्रेणी में आ सकती है। उन्होंने कहा, दिल्ली का एकमात्र कारण गंभीर वायु गुणवत्ता के प्रभाव से बचना है क्योंकि यह मौसम संबंधी अनुकूल परिस्थितियों के कारण है।

कोरोना काल में विज्ञान मेला ऑनलाइन कराने की तैयारी, वैज्ञानिक और छात्र-छात्रा लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। कोरोना काल में विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी मंत्रालय सबसे बड़ा वर्चुअल मेगा इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें करीब 25 हजार वैज्ञानिक, शोधकर्ता तथा छात्र-छात्राएं ऑनलाइन हिस्सा लेंगे। यह कार्यक्रम भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान मेला (आईआईएसएफ) है, जिसका आयोजन 22-25 दिसंबर के बीच किया जाएगा। विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी सचिव प्रोफेसर आशुतोष शर्मा के अनुसार, आईआईएसएफ के छठे संस्करण का आयोजन कोलकाता में नवंबर में होना था, लेकिन कोरोना के चलते वर्चुअल तरीके से आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। सीएसआईआर को इसका जिम्मा सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि इस विज्ञान मेले में आमतौर पर 15-20 हजार प्रतिनिधि पंजीकरण कराते हैं। जबकि लाखों लोग इसे देखने के लिए आते हैं, लेकिन इस बार यह संख्या 25 हजार से ज्यादा होने की संभावना है, क्योंकि ऑनलाइन होने की वजह से ज्यादा लोगों को इसमें शामिल होने का मौका दिया जाएगा।

इसमें विदेश के प्रतिनिधियों, अन्य देशों के मंत्रियों के पहले के मेलों की तुलना में ज्यादा

जबकि लाखों लोग इसे देखने के लिए आते हैं, लेकिन इस बार यह संख्या 25 हजार से ज्यादा होने की संभावना है, क्योंकि ऑनलाइन होने की वजह से ज्यादा लोगों को इसमें शामिल होने का मौका दिया जाएगा।

हिस्सा लेने की संभावना है। कुछ नोबेल विजेता भी मेले में ऑनलाइन शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि यह कोरोना काल का समय बड़ा ऑनलाइन कार्यक्रम साबित हो। क्योंकि उन्होंने इतने बड़े मेगा इवेंट का जिक्र नहीं सुना है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सांसदों के आदर्श गांव से पांच बच्चे हिस्सा लेते हैं, लेकिन इस बार हमने पांच बच्चों की सीमा हटा दी है। सांसदों से अनुरोध किया है कि वे ज्यादा से ज्यादा बच्चों को इस कार्यक्रम में ऑनलाइन शिरकत कराएं।

उन्होंने कहा कि सीएसआईआर इसका पूरा कार्यक्रम तैयार कर रहा है। एक एप भी तैयार किया जा रहा है, जिसके जरिये सीधे लोग जुड़ सकेंगे और अपने पसंदीदा सत्र में हस्सा ले सकेंगे। छठे भारत अन्तरराष्ट्रीय विज्ञान मेले के थीम आत्मनिर्भर भारत पर केंद्रित रखी जाएगी। इस कार्यक्रम के आयोजन के जरिये भारत सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमता का भी प्रदर्शन करेगा।

साइंस कांग्रेस नहीं होगी

प्रो. शर्मा ने बताया कि साइंस कांग्रेस एसोसिएशन ने सूचित किया है कि कोरोना के चलते 3-7 जनवरी के बीच हर साल होने वाली साइंस कांग्रेस का आयोजन इस बार नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अमेरिका में चुनाव

हमारा ध्यान इस समय पूरी तरह बिहार चुनाव पर है। हमें लगता है कि बिहार विधानसभा का चुनाव भारतीय राजनीति की दशा और दिशा तय करेगा। लेकिन बाकी दुनिया की नजरें अमेरिका पर हैं। कल जब अमेरिकी मतदाता अपना राष्ट्रपति चुनने के लिए घर से निकलेंगे, तो वे अपने वोट से दुनिया की बहुत सारी नीतियां भी तय कर देंगे। इस मामले में अमेरिकी मतदाताओं के पास जो अवसर होता है, वह दुनिया के किसी और देश के मतदाताओं के पास नहीं होता। इसलिए उसका महत्व भले ही बिहार विधानसभा चुनाव जितना न हो, लेकिन हमारे लिए अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव भी कम अहमियत नहीं रखते। बिहार के चुनाव हमारी राजनीति को भीतर से बदल सकते हैं, तो अमेरिका के चुनाव उन बाहरी दबावों को बदलेंगे, जिनमें कोई देश अंतरराष्ट्रीय राजनय में अपनी यात्रा तय करता है। अमेरिका के चुनाव भारत समेत पूरी दुनिया के लिए एक और कारण से महत्वपूर्ण हैं, जिन पर हम बाद में आएंगे। पहले जायजा अमेरिका के राजनीतिक परिदृश्य का। अमेरिका का यह राष्ट्रपति चुनाव उस समय हो रहा है, जब कोरोना वायरस ने दुनिया के इस सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले देश को बुरी तरह झकझोर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़बोलेपन और उनकी डींगों की जितनी पोल इस दौरान खुली है, उतनी उसके पहले कभी नहीं खुली थी। शायद पूरे अमेरिकी इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति की पोल इस तरह से नहीं खुली। इस सच को तो अमेरिका में ज्यादातर लोग स्वीकार कर रहे हैं कि ट्रंप कोरोना संक्रमण से देश को बचाने में बिलकुल ही नाकाम रहे हैं। देश को ही क्यों, वे खुद को भी संक्रमण से नहीं बचा सके। इस पूरे दौर में सोशल मीडिया पर उन्हें एक मसखरे के तौर पर भी पेश किया जाता रहा है, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन की छवि अभी भी गंभीर राजनेता की ही बनी हुई है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ट्रंप के दिन अब पूरे हो रहे हैं। यह माना जाता है कि ट्रंप के पास एक ज्यादा कट्टर समर्थक वर्ग है, यह भी माना जाता है कि ट्रंप का एक बाकायदा कल्ट है, जो कोई दूसरी बात सुनने को तैयार नहीं होता। चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं, जब अमेरिकी समाज भी काफी उथल-पुथल से गुजर रहा है। 'ब्लैक लाइव्स मैटर्स' जैसे आंदोलन ने अश्वेत समाज के गुस्से और अलगाव को सतह पर ला दिया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि इस असंतोष के बीच होने वाला मतदान किसके पाले में जाएगा। पिछले कुछ समय में तकरीबन पूरी दुनिया में ही एक ऐसी लहर चली थी, जिसमें रूढ़िवादी या दक्षिणपंथी विचारधाराओं के नेता कई देशों की सत्ता पर काबिज हुए। ट्रंप भी उन्हीं में एक हैं, और शायद सबसे ज्यादा बेपरवाह और बड़बोले भी। अब जब ऐसे नेताओं की पकड़ कमजोर होने के संकेत मिल रहे हैं, तो ट्रंप की हार इस रुझान पर पक्की मुहर मानी जाएगी। इसका अर्थ होगा दुनिया में उदार कूटनीति और राजनय का लौटना। इन चुनावी नतीजों का भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों पर कोई बड़ा फर्क पड़ेगा, अभी तक तो ऐसा नहीं लगता। यह जरूर है कि अगर बिडेन जीतते हैं और कमला हैरिस उप- राष्ट्रपति बनती हैं, तो भारतीयों के लिए एक गर्व का क्षण होगा। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों और भारतवंशियों के लिए तो खैर यह बड़ी बात होगी ही। फिलहाल इसमें कोई और बड़ी उम्मीद नहीं देखनी चाहिए।

आज के ट्वीट

सख्त

पटाखों से निकलने वाले विषैले धुएं से कोविड-19 संक्रमित रोगियों एवं आमजन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए प्रदेश में पटाखों की बिक्री एवं आतिशबाजी पर रोक लगाने तथा बिना फिटनेस के धुआं उगलने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

- मु. अशोक गहलोत

शादी की उम्र बढ़ाने पर उठे सवाल

हर्षदेव

क्या लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल कर देने की पेशकश सही है? इस फैसले से क्या और किसको लाभ होगा? विचार इस पर भी करना चाहिए कि समाज पर उसका प्रभाव क्या और किस रूप में पड़ेगा! इन तमाम सवालों का जवाब सरकार की ओर से नियुक्त उस 10 सदस्यीय पैनल को देना है, जिसका जून महीने में गठन किया गया है। इस समय लड़कों के लिए विवाह की उम्र 21 और लड़कियों के लिए 18 साल तय है। सरकार की मंशा लड़कियों की आयु भी 21 साल करने की बताई जा रही है। लड़कियों की शादी की उम्र में बदलाव के इरादे की पहली बार जानकारी स्वयं प्रधानमंत्री ने लालकिले से 15 अगस्त को अपने भाषण में दी थी। तब से इस विषय पर कुछ समाज शास्त्रियों की त्वरित टिप्पणियां आ चुकी हैं। इनमें से कुछ का कहना है कि यह कदम नौनिहालों की मृत्यु दर में कमी लाने के लिहाज से सही है जबकि कुछ अन्य इसको महिलाओं के स्वास्थ्य और आर्थिक बेहतरी के लिहाज से सार्थक बता रहे हैं। उनके अनुसार विवाह की आयु बढ़ने से लड़कियों को पढ़ने-लिखने और अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए भरपूर समय मिल सकेगा। इस विमर्श के साथ एक जरूरी प्रश्न यह भी है कि बाल विवाह के विरुद्ध सख्त कानूनी पाबन्दी के वाबजूद इतने बड़े पैमाने पर कच्ची उम्र में शादियां क्यों होती हैं! सरकार के आंकड़े बताते हैं कि देश में हर साल औसतन 1.55 करोड़ बाल विवाह होते हैं जो विश्व में सबसे ज्यादा हैं। एक अध्ययन के अनुसार भारत में 27 प्रतिशत विवाह 18 वर्ष से पहले और 7 फीसदी 15 साल से कम आयु में कर दिए जाते हैं। कानूनी पाबन्दी के वाबजूद समाज द्वारा अपने ही बच्चों और किशोरों के साथ यह सामाजिक अत्याचार तथा उनके अधिकारों का हनन पीढ़ी-दर-पीढ़ी क्यों कर होता चला आ रहा है? समाज शास्त्रियों का कहना है कि नाबालिग उम्र में शादी की समस्या का सम्बन्ध परिवार के आर्थिक हालात और पुरुष की वर्चस्ववादी सोच से जुड़ा हुआ है। दूसरे शब्दों में बाल विवाह का पहला बड़ा कारण गरीबी और दूसरा दकियानूसी विचार हैं। आर्थिक तंगी से जूझते माता-पिता पढ़ाई का खर्च बचाने के लिए बच्चों और खासकर लड़कियों का स्कूल छुड़वा देते हैं। इसके पीछे घर और मजदूरी के काम में हाथ बंटाने का मकसद भी रहता है। कच्ची उम्र में शादी की ज्यादती लड़कियों के साथ अधिक होती है। इसका एक और कारण यौनाचार के बारे में पुंसवादी विचार और पुरुष वर्चस्व वाले समाज में महिलाओं की यौन स्वतंत्रता पर अंकुश रखने की ज़िद है। गरीब माता-पिता दहेज़ में असमर्थ होने के कारण भी बच्चों खासतौर से लड़कियों की जल्दी शादी कर देते हैं। बच्चों का बालपन, उनके जीवन की सहजता और व्यक्तित्व का विकास छीन लेने वाले बाल विवाह की बुराई को कानून, सामाजिक जागरूकता तथा शैक्षिक समझदारी के जरिये दूर करने का दायित्व सभी का है, लेकिन यहां उन संगठनों और समाज शास्त्रियों की बात पर भी विचार करना होगा जो महिलाओं की वैवाहिक आयु बढ़ाने के प्रस्ताव को अनुचित बता रहे हैं। यह परामर्श 100 से अधिक नागरिक संस्थाओं ने सरकार को दिया है। उन्होंने दावा किया है कि इस कदम से माताओं और शिशुओं की सेहत में सुधार लाने में खास मदद नहीं मिलेगी। नागरिक अधिकारों से जुड़े संगठनों ने पूछा है कि शादी की न्यूनतम उम्र बढ़ाना एक कदम आगे रखना कैसे है क्योंकि यह अनेक महिलाओं को स्वेच्छा से विवाह करने का अधिकार देने से इनकार करता है। उन्होंने यह भी पूछा है कि यह उन परिवारों को अपराधी मानने में कैसे मदद करेगा, जिनके जिंदा रहने की जरूरतें एवं असुरक्षा न सिर्फ उन्हें जल्दी शादी करने/कराने और कम उम्र में रोजगार/नौकरी पर जाने के लिए मजबूर करती है। नागरिक संस्थाओं ने सरकार से विवाह की उम्र न बढ़ाने का आग्रह किया है। इन संस्थाओं का दावा है कि 'यह लैंगिक समानता, महिलाओं के अधिकारों या लड़कियों के सशक्तीकरण को बढ़ावा नहीं देगा और मांओं एवं शिशुओं की सेहत को सुधारने में भी खास मददगार नहीं होगा।' इन संस्थाओं ने कहा, 'यह बहुत ही सतही समझ है कि महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए विवाह की उम्र 21 साल करना लैंगिक समानता का प्रतीक है। करीब 100 नागरिक संस्थाओं और 2,500 युवा आवाजों द्वारा समर्थित इस बयान में कहा गया, 'अगर उम्र के लिहाज से कानूनी समानता को लागू करने की बात है तो इसे महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए 18 साल करने पर विचार करना ज्यादा सार्थक होगा, जैसा कि विश्व के ज्यादातर हिस्सों में है।' इन्होंने कहा कि कानून के जरिए विवाह की उम्र बढ़ाना जल्दी शादी को रोकने की बजाय इसे आपराधिक बनाएगा। नागरिक संस्थाओं ने अनुशंसा की है कि विवाह की उम्र बढ़ाने की बजाय, सरकार को स्कूली व्यवस्था और रोजगार के अवसरों को मजबूत करने पर विचार करना चाहिए। हमारे समाज की दकियानूसी समझ और पैतृक सत्ता की ज़िद इतनी ज्यादा रही है कि बाल विवाह के खिलाफ 1929 में पहला कानून (शारदा अधिनियम) बनाने के समय कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं ने इस कदम को 'हिंदुओं के सामाजिक रीति-रिवाजों' में दखलंदाजी कहकर उसका सख्त विरोध किया था। हालांकि इस विरोध के वाबजूद यह कानून पारित हुआ। इसके अनुसार 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से छोटे लड़के की शादी को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया। कानून तोड़ने पर 15 दिन की कैद और एक हजार रुपये के आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया। इस कानून में 1940 में मामूली सुधार किए गए, लेकिन 2006 में एक नया अनुच्छेद और जोड़ा गया कि बचपन में शादी हो जाने के बावजूद बालिग होने के दो साल के भीतर दम्पति में से कोई भी ऐसी शादी को नामंजूर कर सकता है। समाज में व्यापक स्तर पर माना जाता है कि बाल विवाह भी एक कुप्रथा है। साथ ही कानूनी पाबंदियां जारी हैं, लेकिन पिछड़े परिवारों में आज भी बच्चों के अधिकारों का यह हनन यथावत चल रहा है। यह ऐसा अभिशाप है जो हमारी पूरी सामाजिक व्यवस्था पर बहुत ही प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसका लड़के और लड़की के अपने तथा भावी संतानों के स्वास्थ्य पर बेहद ख़राब असर पड़ता है। नवजातों की मृत्यु दर खासी ऊंची रहती है, बालिग होने से पहले ही मां बन जाने वाली लड़की की अकाल मृत्यु की आशंका प्रबल हो जाती है। इतना ही नहीं, दोनों की शिक्षा और व्यक्तित्व का विकास भी बीच में ही रुक जाते हैं। एक स्वस्थ और विकसित समाज के लिए जरूरी है कि ऐसी बाल विरोधी प्रथाओं या परम्पराओं से मुक्ति के संगठित उपाय किए जाएं। इसमें स्वैच्छिक और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका ज्यादा कारगर और सार्थक हो सकती है। जिस प्रकार बाल मजदूरी रोकने के लिए अनेक समाजसेवी संगठन सक्रिय और उपयोगी भूमिका निभा रहे हैं, उसी तरह का हस्तक्षेप बाल विवाह के मामले में भी किया जा सकता है। सभी को यह समझना होगा कि यह ऐसी सामाजिक बुराई है, जिसके दुष्प्रभाव बहुत दूरगामी और व्यापक हैं। इसलिए हर स्तर पर प्रयास करना होगा कि जागरूकता के जरिये इस अमानवीय रीति से भावी पीढ़ियों को मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़ा जाए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

समय-संयम

श्रीराम शर्मा आचार्य

सुख, शान्ति, सन्तोष, सफलता एवं स्वास्थ्य आदि के पारितोषिक असामयिक जीवन-क्रम वालों से कोसों दूर रहा करते हैं। जिन्दगी जीने के लिए मिली है खो डालने के लिए नहीं। समय-सम्मत व्यवस्था के अभाव में इस परम दुर्लभ मानव-जीवन को न तो ठीक से किया जा सकता है और न इसका कोई लाभ ही उठाया जा सकता है। यह सम्भव तभी हो सकता है जब जीवन का प्रत्येक क्षण किसी निश्चित कर्त्तव्य के लिए निर्धारित एवं जागरूक हों। असमय सोने-जागने, खाने-पीने और काम करने वाले आजीवन आरोग्य के दर्शन नहीं कर सकते। वे सदा सर्वदा शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक अथवा आध्यात्मिक किसी-न-किसी व्याधि से पीड़ित रहेंगे। उनकी शक्ति में से कुछ को तो उनकी अव्यवस्था नष्ट कर देगी और शेष का व्याधियां शोषण कर लेंगी। समय-संयम के साथ अपना हर काम करने वाले मनुष्यों का जीवन कभी असफल नहीं हो सकता है। भले ही परिस्थितिवश वे संसार में कोई अनुकरणीय कार्य न भी कर पाएं, तब भी उनका जीवन असफल नहीं कहा जा सकता। सुख-शांतिपूर्वक एक प्रिय जिन्दगी जी लेना स्वयं ही एक बड़ी सफलता है। सफलता का मान-दंड कोई बड़ा काम ही नहीं है, उनका सच्चा मानदण्ड है-जीने की कला जो सन्तोषपूर्वक जिन्दगी को कथनीयता के साथ जी सका है, वह निःसन्देह अपने जीवन में सफल हुआ है। एक छोर से दूसरे छोर तक जिसका जीवन एक व्यवस्थित कार्यक्रम की तरह स्निग्ध गति से न चल कर ऊबड़-खाबड़ गिरता-पड़ता और उलझता सुलझता चलता है, उसके जीवन को असफल मान लेना ही न्याय-संगत होगा। समय पर हर काम करने वालों की सारी शक्तियां उपभोग में आने पर भी अक्षय बनी रहती हैं। समय पर काम करने का अभ्यास एक सजग प्रहरी की तरह ही होता है, जो किसी भी परिस्थिति में मनुष्य को अपने कर्त्तव्य का विस्मरण नहीं होने देता। समय आते ही सिद्ध किया हुआ अभ्यास उसे निश्चित कार्य की याद दिला देता है और प्रेरणापूर्वक उसमें लगा भी देता है? समय आते ही उक्त कार्य योग्य शक्तियों में जागरण एवं सक्रियता आ जाती है। कार्य एवं कर्त्तव्यों की पूर्णता ही जीवन की पूर्णता है, जो कि बिना समय, संयम, एवं व्यवस्थित और क्रियाशीलता के प्राप्त नहीं हो सकती।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

नेतृत्व क्षमता से जीवन विकास के नये क्षितिज

दिनेश चमोला 'शैलेश'

इस दुर्लभ मनुष्य जीवन में किसी विशिष्ट क्षेत्र की उपलब्धियों के लक्ष्य छूने वाले व्यक्तित्व के लक्षण प्रारंभ से ही दिखाई देने लगते हैं। नेतृत्व के लक्षण प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप में या तो नैसर्गिक रूप से उनकी चिंतन क्षमता में प्रवेश कर जाते हैं या फिर उनके कृतित्व से ही कुछ विलक्षण करने की प्रामाणिकता प्रतिबिंबित होती है। उदर से महान होकर इस धरती पर कोई अवतरित नहीं होता। यदि प्रभुकृपा से पूर्वजन्मों की जमा पूंजी लेकर कोई आता भी है तो उसे भी कर्म के उस वृहद तालेनुमा रहस्य को ज्ञान, जिज्ञासा अथवा उत्कंठा की चाबी से ही खोलकर अपने पौरुष, जिजीविषा अथवा श्रमशक्ति का परिचय देना होता है। वस्तुतः यह दिव्य धरा ही हमारी हर प्रकार की प्रशिक्षणशाला है। अपनी प्रतिभा, जिज्ञासा से जिस ज्ञान की दिशा में हम दृढ़ इच्छाशक्ति व सम्पूर्ण निष्ठा से अग्रसर होते हैं तो वह कर्म की पगडंडी निश्छल रूप में हमारे प्रारब्ध की रूपरेखा तय करने लगती है। जीवन की महानतम उपलब्धियों के शिखर तक जाने के हर मार्ग की शुरुआत भी इसी कर्मभूमि पर सुनिश्चित होती है। अपनी महत्वाकांक्षाओं की उपयुक्त दिशा में उठा हुआ प्रत्येक कदम, न केवल हममें आत्मविश्वास की रचना करता है बल्कि हमारी महत्वाकांक्षाओं के गंतव्य को पाने की हमारी प्रबल उम्मीदवारी पर भी मोहर लगा देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के वुडबरी विश्वविद्यालय में प्रबंधन की प्रोफेसर जॉन मारक्वेस ने अपनी चर्चित पुस्तक 'लीडरशिप - फाइंडिंग बैलेंस बिटवीन अम्बिसन्स एंड एक्सेप्टेंस' में कहा है कि चाहे नेतृत्व हो या अन्य कोई विशेषज्ञता, उनकी अपनी सकारात्मक विशेषताएं अथवा नकारात्मक कमजोरियां हो सकती हैं, लेकिन असली नेतृत्व वह है जो दोनों में संतुलन बनाये रखते हुए जीवन के रथ को सफलता की दिशा की ओर अग्रसर करे। अतः जीवन में सफल होने के लिए सही दिशा में चिंतन व व्यवस्थित योजना अतीव आवश्यक है। इस पुस्तक में लक्ष्योन्मुख व महत्वाकांक्षी जीवन व लक्ष्य में सफल होने की बात को कई दृष्टांतों, ग्राफों आदि के माध्यम से बताया गया है। इसमें इस बात पर भी बल दिया गया है कि सफलता पाने के लिए महत्वाकांक्षा के साथ-साथ उस क्षेत्र की जिम्मेदारियों को स्वीकार करने की क्षमता का भी विकास करना उतना ही जरूरी है। विद्यार्थियों में वृत्ति विकास, संगठनात्मक व्यवहार से सफलता की मंजिल तक पहुंचने में किन कठोर निर्णयों की आवश्यकता है, को भी समझाया गया है। किसी भी कार्य अथवा क्षेत्र के प्रति किसी में विशेष आकर्षण पैदा करने के लिए रुचिपूर्ण वातावरण निर्मित करने की आवश्यकता होती है। नेतृत्व क्या है, यह किस प्रकार प्रबंधन व आदेश से भिन्न है, नेतृत्व पैदा किया जाता है या जन्मजात होता है, यह क्यों अपेक्षित होता है, असली नेतृत्व क्या है, मजबूत व कमजोर नेतृत्व में क्या अंतर है, जैसे अनेक विषय हैं जो जीवन के किसी भी क्षेत्र में जाने से पहले आपकी अगुआई करने के लिए आपके साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़े हो सकते हैं। ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी के टेम्पलेटन कॉलेज में संगठनात्मक व्यवहार के फेलो कीथ ग्रिन्ट अपनी पुस्तक 'द आर्ट ऑफ लीडरशिप' में विस्तार से इन बिंदुओं पर चर्चा करते हैं। बहुत बार हमारा कोई नेतृत्व करता है लेकिन अधिकांशतः हम स्वयं ही अपना नेतृत्व कर रहे होते हैं। इसलिए सही विश्लेषण व विवेचन का ज्ञान आवश्यक है। केवल सपने देखने भर से कुछ नहीं होता, लेकिन बिना इनके भी लक्ष्यों के असली मुकाम हासिल नहीं किये जा सकते। सुव्यवस्थित कार्य योजना के बिना महज महत्वाकांक्षाएं भी कुछ नहीं कर सकतीं। लेकिन शोधों से यह सिद्ध हुआ है कि महत्वाकांक्षी लोगों ने सफलता के स्तर को अधिक तीव्रता व ऊंचाई तक प्राप्त किया है। जीवन की दशा व दिशा बदलने वाला बड़ा कार्य करना चाहते हैं तो किसी और के रिमोट से नहीं, अपने परिश्रम के रिमोट से चलने की प्रवृत्ति विकसित करो। अपने परिश्रम के लक्ष्य पर पराजित होने पर भी विजयी सदृश जिओगे, व जीवन भर दूसरे की बैसाखी से हांके जाने पर विजयी होने पर भी पराजित के अपराधबोध से स्वयं को निश्चित उबार पाओगे। अतः निर्णय करो कि तुम्हें कौन-सा मार्ग अपनाना है—हार कर जीतने का या फिर जीत कर जीवनभर जीवन से हारे जाने का!

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

SHRIRAM
Commercial Vehicle Finance

श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस की वसूली सितंबर में 95 प्रतिशत रही

मुंबई. गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस की वसूली क्षमता में लगातार सुधार हो रहा है। कंपनी की वसूली सितंबर में 95 प्रतिशत रही। आर्थिक गतिविधियों के चालू होने और ग्रामीण क्षेत्र में मांग बढ़ने से कंपनी को आगे भी अपना वसूली स्तर बनाए रखने की उम्मीद है। अप्रैल में लॉकडाउन के चलते कंपनी का वसूली स्तर गिरकर 23 प्रतिशत तक आ गया था। हालांकि उसके बाद से लगातार कंपनी की वसूली में सुधार हो रहा है। जून, जुलाई और अगस्त में यह क्रमशः 71, 73 और 78 प्रतिशत रही। श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस मुख्य तौर पर सेंकेंड हैंड ट्रकों की खरीद के लिए वित्त पोषण उपलब्ध कराती है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, '' सितंबर में हमारी वसूली क्षमता 95 प्रतिशत रही। ग्रामीण क्षेत्र की मांग अच्छी है तो अब हमें इस स्तर को बनाकर रखना होगा।'' उन्होंने कहा कि ग्रामीण मांग अच्छी है तो निश्चित तौर पर उपभोग बढ़ेगा। इससे मालवहन भी स्वत- ही बढ़ेगा और इसके चलते सभी पहलू सही दिशा में काम करने लगेंगे। कंपनी के सभी ग्राहक अपने वाहनों का परिचालन कर पा रहे हैं इसलिए सब कमा रहे हैं और बैंक का ऋण वापस कर रहे हैं। कोविड-19 से पहले कंपनी की वसूली 92 से 95 प्रतिशत रहती थी।

वाकहार्ड के दूसरी तिमाही का शुद्ध मुनाफा 3.29 करोड़ रुपये

नई दिल्ली. दवा कंपनी वॉकहार्ट ने सोमवार को बताया कि 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में उसे 3.29 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा हुआ है जिसका कारण बिक्री में पर्याप्त वृद्धि होना है। कंपनी ने एक नियामकीय सूचना में बीएसई को बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी को 94.24 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का एकीकृत आय 714.05 करोड़ रुपये का हुआ। साल भर पहले की समान अवधि में यह 682.29 करोड़ रुपये था।

एनटीपीसी का लाभ चालू वित्त वर्ष वर्ष की दूसरी तिमाही मे 8 प्रतिशत घटकर 3,495 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में 7.7 प्रतिशत घटकर 3,494.61 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से खर्च बढ़ने से कंपनी का लाभ कम हुआ है। एनटीपीसी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में उसे 3,788.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी की कुल आय चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 28,677.64 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में 26,568.62 करोड़ रुपये थी। एनटीपीसी के कोयला आधारित बिजली संयंत्रों का क्षमता उपयोग (प्लांट लोड फैक्टर) आलोच्य तिमाही में 64.27 प्रतिशत रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 64.28 प्रतिशत था। कंपनी के गैस आधारित परियोजनाओं की पीएलएफ (प्लांट लोड फैक्टर) चालू वित्त वर्ष दूसरी तिमाही में 26.24 प्रतिशत रहा जो एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में 13.13 प्रतिशत था। एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित क्षमता 30 सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 62,910 मेगावाट पहुंच गयी जो एक साल पहले इसी तिमाही में 57,106 मेगावाट थी।

एनटीपीसी NTPC

ऑटो सेक्टर में नियुक्तियों में सुधार जारी, सितंबर में 29% वृद्धिः नौकरी डॉट कॉम

नई दिल्ली:

भारत के वाहन क्षेत्र में नियुक्तियों में सुधार जारी है और सितंबर महीने में इसमें 29 प्रतिशत की क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, यह अब भी कोरोना वायरस महामारी से पहले के स्तर से नीचे है। रोजगार संबंधी ऑनलाइन सेवाएं देने वाले पोर्टल नौकरी डॉट कॉम ने इसकी जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि जून, 2020 से ही सकारात्मक रुख बना हुआ है और माह-दर-माह सुधार हो रहा है। उसने कहा, ''जब हम कोविड से पहले और बाद के इस क्षेत्र के प्रदर्शन के स्तर की तुलना करते हैं, इसमें स्पष्ट सुधार दिखता है। हालांकि, यह अब भी कोविड से पहले के स्तर की तुलना में सितंबर में 25 प्रतिशत नीचे बना हुआ है।'' इस साल अप्रैल में यह कोविड से पहले के स्तर से 80 प्रतिशत नीचे था। कंपनी ने कहा कि नियुक्तियों में पिछले कुछ महीने में क्रमिक सुधार हुआ। यह अगस्त में कोविड पूर्व स्तर से 42 प्रतिशत नीचे था। नौकरी डॉट कॉम के अनुसार, शीर्ष भूमिकाओं में उत्पादन प्रबंधक, औद्योगिक इंजीनियर, बिक्री / व्यवसाय विकास प्रबंधक, सेवा रखरखाव इंजीनियर, डिजाइन इंजीनियर और अकाउंटेंट शामिल हैं। प्रोजेक्ट मैनेजर -

मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस मेंटेनेंस इंजीनियर और प्रोडक्शन मैनेजर जैसी भूमिकाओं में 57 फीसदी, 46 फीसदी और 22 फीसदी की वृद्धि देखी गई है।

एनटीपीसी निदेशक मंडल ने 2,275.75 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर पुनर्खरीद को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी के निदेशक मंडल ने सोमवार को 2,275.74 करोड़ रुपये के व्यय से 19.78 करोड़ इक्विटी शेयर पुनर्खरीद के एक प्रस्ताव को को मंजूरी दी। बिजली उत्पादक कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने 19,78,91,146 पूर्ण चुकता शेयर पूंजी 115 रुपये के भाव पर फिर से खरीदने की मंजूरी दी है। यह पुनर्खरीद 2,275.75 करोड़ रुपये की होगी। पुनर्खरीद के लिये शेयरधारकों के रिकार्ड की तारीख 13 नवंबर, 2020 तय की गयी है। पिछले महीने बाजार नियामक सेबी (भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड) ने एनटीपीसी को पुनर्खरीद से जुड़े कुछ नियमों से छूट दी थी। यह छूट कंपनी की पूर्ण अनुषंगी इकाइयों के मूल कंपनी में प्रस्तावित विलय के संदर्भ में दी गयी ।

एनआईसी पोर्टल से करदाताओं ने पहले महीने में ही 4.95 करोड़ ई- चालान निकालेः सरकार

नयी दिल्ली.

जीएसटी में पंजीकृत इकाइयों ने एनआईसी पोर्टल पर सेवा शुरू होने के पहले ही महीने में 4.95 करोड़ ई- चालान निकाले हैं। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर में 6.41 करोड़ ई- वे बिल भी निकाले गये।यह सेवा शुरू होने के बाद किसी एक माह में यह इ-बिलों का यह सर्वाधिक स्तर है। इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा, ''एनआईसी के मुताबिक, पोर्टल की शुरुआत के पहले माह में ही 27,400 करदाताओं ने 495 लाख से अधिक ई- बिल निकाले ।'' सरकारी पोर्टल पर ई- एन्वायस (ई-चालान) की यह प्रणाली एक अक्टूबर 2020 को शुरू की गई। सालाना 500 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करने वाली इकाइयों के लिये ई-चालान जरूरी किया गया है। वक्तव्य में कहा गया है कि प्रणाली में पहली अक्टूबर 2020 को 8.4 लाख ई- चालान के साथ शुरुआत हुई और इसके इस्तेमाल में धीरे धीरे तेजी आने के साथ ही 31 अक्टूबर 2020 को प्रणाली से एक ही दिन में 35 लाख तक ई-चालान निकाले गये। इसके साथ ही अकटूबर माह में 641 लाख ई- बिल भी निकाले गये।

6% लुढ़का RIL का शेयर, एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट

बिजनेस डेस्क:

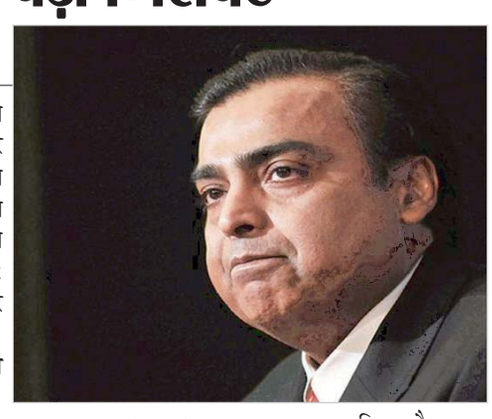

देश की सबसे मूल्यावान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) के शेयरों में सोमवार को करीब 6 फीसदी गिरावट आई। इस कारण महज एक घंटे में इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 70 हजार करोड़ रुपए घट गया है। इससे पहले इसी साल जुलाई में एक दिन में यह शेयर 6.2 फीसदी टूटा था। उस समय यह 1978 से घटकर 1798 रुपए पर आ गया था।

15 दिनों से सोशल मीडिया पर बीमारी की चर्चा

पिछले 15 दिनों से यह खबर सोशल मीडिया पर चल रही है कि मुकेश अंबानी की हालत खराब है। उनका लंदन में ऑर्गन ट्रांसप्लांट किया गया है। उनका वजन 30 किलो घट गया है। सोशल मीडिया पर यह कहा जा रहा है कि इसी वजह से अंबानी परिवार आईपीएल में नजर नहीं आ रहा। हालांकि, इसके ठीक उलट पिछले हफ्ते ही देश के दिग्गज वकील हरीश साल्वे की शादी में मुकेश अंबानी ने वेबिनार के जरिए उपस्थिति दर्ज कराई थी।

अभी जानकारी जुटा रहे हैं ब्रोकरेज हाउस

वैसे कुछ ब्रोकरेज हाउस का यह मानना है कि यह खबर अभी तक बाहर नहीं आई है और जब तक इसके बारे में पूरी तरह से कोई जानकारी नहीं आती है तब तक यह कहना गलत होगा, लेकिन शेयरों पर इसका असर आज सुबह जमकर दिखा है। कुछ ब्रोकरेज हाउस कहते हैं कि फ्यूचर रिटेल की डील और शनिवार को कंपनी के खराब रिजल्ट की वजह से शेयरों पर दबाव है। कुछ ब्रोकरेज हाउस कहते हैं कि रिजल्ट इतना खराब नहीं है कि शेयर 6 फीसदी टूट जाए। इसके पीछे कुछ और मामला है।

1940 रुपए पर चला गया शेयर

सोमवार सुबह रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 6 फीसदी टूटकर 1940 रुपए तक जा पहुंचा था। यह पिछले चार महीनों का सबसे निचला स्तर है। इस वजह से सोमवार को एक घंटे में एमकैप 70 हजार करोड़ रुपए घट गया, जबकि 23 अक्टूबर से लेकर अब तक कंपनी का मार्केट कैप एक लाख करोड़ रुपए घट गया है।

आयात शुल्क में वृद्धि से विनिर्माण को प्रोत्साहन नहीं मिलता, न निर्यात बढ़ता है : रिपोर्ट

मुंबई, सरकार द्वारा स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए कुछ उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाने के बीच सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में इस तरह के शुल्कों को कम करने की वकालत की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंचे शुल्कों से प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को प्रोत्साहन नहीं मिलता, बल्कि इससे दक्षता घटती है। वर्ष 2000 से ही विभिन्न सरकारें 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा 25 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं, लेकिन वास्तव में इस दिशा में कुछ खास नहीं हुआ है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2004 से 2007 के दौरान वैश्वि विनिर्माण के बढ़े हुए हिस्स में भारत की हिस्सेदारी डेढ़ से तीन प्रतिशत के बीच रही वहीं इस दौरान चीन में 18 प्रतिशत की बड़ी हिस्सेदारी हासिल की है। रिपोर्ट कहती है कि इतने मामूली लाभ के बावजूद भारत दुनिया की छठी सबसे बड़ी विनिर्माण अर्थव्यवस्था है। वैश्विक उत्पादन में भारत का हिस्सा तीन प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''यदि हमें आत्मनिर्भर बनना है, तो शुल्क वृद्धि इसका तरीका नहीं है। इसके बजाय हमें सही बुनियादी ढांचा बनाने पर ध्यान देना चाहिए, जिससे हमारा विनिर्माण अधिक दक्ष बन सके और हम अपने निर्यात को प्रतिस्पर्धी बना सकें। इसके अलावा सरकार को कंपनियों के लिए प्रक्रियाओं को सुगम करना चाहिए जिससे वे आसानी से कामकाम कर सकें।''

बाजार में तीन दिनों से जारी गिरावट पर विराम, सेंसेक्स 144 अंक मजबूत

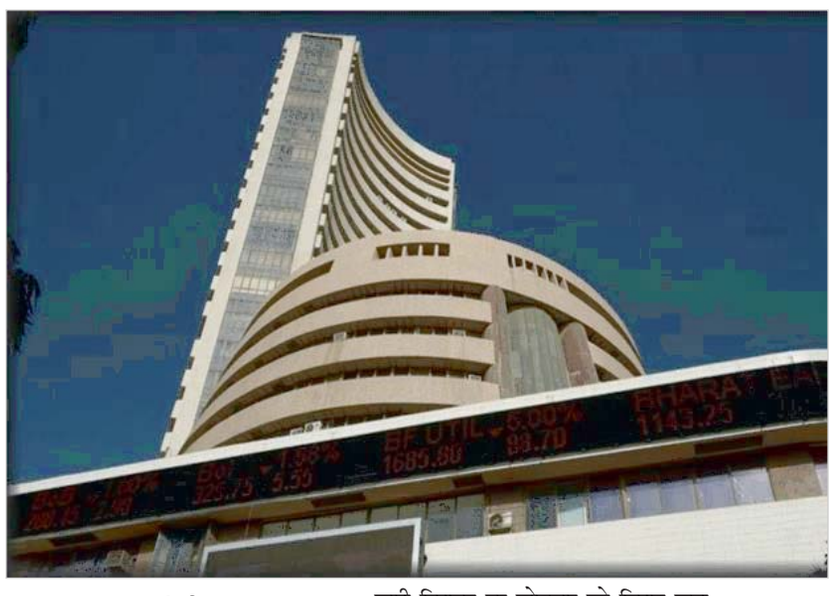

मुंबई:

शेयर बाजारों में पिछले तीन दिनों से जारी गिरावट पर सोमवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 144 अंक की तेजी के साथ बंद हुआ। उत्साहजक वृहत आर्थिक आंकड़े के बीच बैंक तथा वित्तीय कंपनियों के शेयरों की अच्छी मांग से रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में गिरावट का बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में सकारात्मक प्रवृत्ति से भी धारणा पर बल मिला। हालांकि अमेरिकी डॉलर के मुकाले रुपए में गिरावट से तेजी पर अंकुश लगा। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 143.51 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,757.58 अंक पर बंद हुआ हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 633.11 अंक का उतार-चढ़ाव आया। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 26.75 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 11,669.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में सर्वाधिक लाभ में इंडसइंड बैंक रहा। इसमें 7.10 प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक में भी अच्छी तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवारको कहा कि उसका एकीकृत लाभ सितंबर तिमाही में 4,882 करोड़ रुपए रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने और महामारी संबंधी प्रभाव को लेकर कम प्रावधान से बैंक का लाभ बढ़ा है। वहीं आवास ऋण कंपनी एचडीएफसी लि. ने सोमवार को कहा कि उसका एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 57.5 प्रतिशत घटकर 4,600 कराड़ रुपए रही। हालांकि कंपनी ने कहा कि 30 सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में उसे जा लाभ हुआ था, उसमें 8,000 करोड़ रुपए अनुषंगी गृह फाइनेंस लि. का नियंत्रण छोड़ने से जुड़ा था। दूसरी तरफ रिलायंस इंडस्ट्रीज सर्वाधिक नुकसान में रही। इसमें 8.62 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने शुक्रवार को दी सूचना में कहा कि तेल और रसायन कारोबार में नरमी से दूसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत घटा है। जिन अन्य शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, उनमें एचसीएल टेक, टीसीएस, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, बजाज ऑटो, मारुति और अल्ट्राटेक सीमेंट शामिल हैं। इनमें 2.49 प्रतिशत की गिरावट आई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''पिछले सप्ताह के अंत में जो चीजें हुई थी, उसका असर सोमवार को बाजार पर पड़ा। हालांकि निवेशकों ने बैंकों के शेयरों में रूचि दिखाई, जिससे कुछ सुधार हुआ। बैंक शेयरों में लिवाली का करण दूसरी तिमाही के परिणाम का बेहतर होना है।

मुंबई में आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण अक्टूबर में 36 प्रतिशत बढ़ा : रिपोर्ट

नयी दिल्ली,

मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण अक्टूबर में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत बढ़कर 7,929 इकाई पर पहुंच गया है। नाइट फ्रैंक की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि त्योहारी सीजन की मांग तथा महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्टाम्प शुल्क में कटौती से आवासीय संपत्तियों के पंजीकरण में उल्लेखनीय इजाफा हुआ है। नाइट फ्रैंक इंडिया की मुंबई के आवासीय क्षेत्र पर अक्टूबर, 2020 की रिपोर्ट में एमएमआर में घरों की बिक्री का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर, 2020 में माह-दर-माह आधार पर घरों का पंजीकरण 42 प्रतिशत बढ़ा है। सालाना आधार पर इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नाइट फ्रैंक ने कहा कि अक्टूबर में घरों की बिक्री 7,929 इकाई रही। नवरात्रि और दशहरा के त्योहारों के साथ स्टाम्प शुल्क में तीन प्रतिशत की कटौती ने सबसे बड़े उत्प्रेरक के रूप में काम किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों द्वारा ब्याज दरों में कटौती से भी घरों की बिक्री बढ़ाने में मदद मिली है। कोराना वायरस महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन से अप्रैल-जून में आवासीय संपत्तियों की बिक्री में जबर्दस्त गिरावट आई थी। नाइट फ्रैंक ने कहा कि अक्टूबर में मुंबई में 7,929 आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण हुआ। यह पिछले आठ साल में अक्टूबर में आवासीय संपत्तियों के पंजीकरण का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर, 2012 में मुंबई क्षेत्र में 2,619 आवासीय इकाइयों का पंजीकरण हुआ था। अक्टूबर, 2013 में 4,902 इकाइयों, अक्टूबर, 2014 में 4,483 इकाइयों, अक्टूबर, 2015 में 5,225 इकाइयों, अक्टूबर, 2016 में 6,068 इकाइयों, अक्टूबर, 2017 में 5,668 इकाइयों, अक्टूबर, 2018 में 6,377 इकाइयों तथा अक्टूबर, 2019 में 5,811 आवासीय इकाइयों का पंजीकरण हुआ था। अप्रैल में लॉकडाउन की वजह से आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण शून्य रहा था। मई में 207 इकाइयों का पंजीकरण हुआ था। जून में 1,839, जुलाई में 2,662, अगस्त में 2,642 और सितंबर में 5,597 इकाइयों का पंजीकरण हुआ था। सितंबर-अक्टूबर में स्टाम्प शुल्क में कटौती की वजह से मुंबई में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 13,526 इकाई रही है।

रिलायंस कैपिटल ने अनुषंगियों में हिस्सेदारी बिक्री के लिए बोलियां मांगीं, कर्ज का बोझ कम करेगी

नयी दिल्ली,

कर्ज के बोझ से दबे अनिल अंबानी प्रवर्तित रिलायंस समूह की इकाई रिलायंस कैपिटल लि. (आरसीएल) ने अपनी अनुषंगियों में हिस्सेदारी बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। इन अनुषंगियों में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस और रिलायंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस शामिल हैं। कंपनी करीब 20,000 करोड़ रुपये का कर्ज उतारने के लिए अनुषंगियों में हिस्सेदारी बेचने की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने बताया कि प्रमुख संपत्तियों की बिक्री को रुचि पत्र मंगाने (ईओआई) मांगने की प्रक्रिया 31 अक्टूबर, 2020 को शुरू की गई। इसका मकसद आरसीएल को कर्जमुक्त बनाना है। रिलायंस कैपिटल ने अनुषंगी कंपनियों रिलायंस जनरल इंश्योरेंस, रिलायंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस, रिलायंस सिक्योरिटीज, रिलायंस फाइनेंशियल लि. और रिलायंस एसेट रिकंस्ट्रशन में समूची या आंशिक हिस्सेदारी की बिक्री के लिए ईओआई आमंत्रित किया है। मौद्रिकरण की प्रक्रिया कमेटी ऑफ डिबेंचर होल्डर्स तथा डिबेंचर ट्रस्टी विस्ट्रा आईटीसीएल इंडिया लि. के तहत होगी। सूत्रों ने बताया कि रिलायंस कैपिटल ने रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि. से बाहर निकलने का प्रस्ताव किया है। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस की चुकता पूंजी 30 सितंबर, 2020 तक 252 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा कंपनी का इरादा रिलायंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में भी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का है। रिलायंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस जापान की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी निप्पन के साथ संयुक्त उद्यम है। इसकी चुकता पूंजी 30 सितंबर तक 1,196 करोड़ रुपये थी। इसके साथ ही रिलायंस कैपिटल की योजना अपनी ब्रोकिंग इकाई रिलायंस सिक्योरिटीज और रिजर्व बैंक के पास पंजीकृत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी रिलायंस फाइनेंशियल लि. में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की है। इसके अलावा कंपनी रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस तथा अन्य पीई निवेश नाफा इनोवेशंस प्राइवेट लि. और पेटीएम ई-कॉमर्स प्राइवेट लि. से भी बाहर निकलने की तैयारी कर रही है। आरसीएल ने रिलायंस एसेट रिकंस्ट्रक्शन लि.में भी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव किया है। इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज में कंपनी की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी इसकी भी बिक्री करने जा रही है।

टाटा स्टील ने कर्मचारियों के लिये कम का नया मॉडल लागू किया

नयी दिल्ली,

कोविड19 का खतरा लम्बा खिंचने बीच घरेलू इस्पात कंपनी टाटा स्टील ने सोमवार को अपने कर्मचारियों के लिये काम के एक नये मॉडल की शुरुआत की जिसके तहत वे साल के 365 दिन घर से काम कर सकते हैं। टाटा स्टील ने एक बयान में कहा कि नया चुस्त कार्य मॉडल रविवार से प्रभावी है। कंपनी ने कहा कि वह विश्वास और परिणाम आधारित कार्य संस्कृति की ओर बढ़ रही है तथा अपने कर्मचारियों को अधिक लचीलापन दे रही है।

एक नवंबर से प्रभावी नये मॉडल के तहत वैसे अधिकारियों को भी अब एक साल में असीमित दिनों के लिये घर से काम करने की सुविधा दी गयी है, जिन्हें किसी विशेष स्थान पर तैनात होना पड़ता है। कंपनी ने कहा कि एक बार जब महामारी की स्थिति सामान्य हो जाती है, तो नीति कंपनी के अधिकारियों को पसंद के स्थान पर स्थानांतरित होने में सक्षम बनायेगी, जिससे कर्मचारी को देश में किसी भी स्थान से काम करने की सुविधा मिलेगी। कंपनी ने कहा कि इस नीति का एक साल तक परीक्षण किया जायेगा। अनुकूलनशीलता और प्रतिक्रिया के आधार पर एक वर्ष के बाद नीति की समीक्षा की जायेगी।

टाटा स्टील के उपाध्यक्ष (मानव संसाधन प्रबंधन) सुरेश दत्त त्रिपाठी ने कहा कि लचीला काम न केवल एक संगठन के आने वाली पीढ़ियों के अनुकूल कार्यस्थल बनाने के इरादे को चित्रित करता है, बल्कि भौगोलिक क्षेत्रों में अपने विविध कार्यबल की जरूरतों को पूरा करने के इरादे को भी मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि महामारी ने उत्पादकता के पारंपरिक सोच से दूर होने में मदद की है। इसने कई मिथकों को तोड़ दिया है। ऐसे में यह नीति बेहतर कार्य-जीवन संतुलन सुनिश्चित करेगी।

बंधन बैंक का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में पांच प्रतिशत कम होकर 920 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली,

बंधन बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 5.3 प्रतिशत कम होकर 920 करोड़ रुपये पर आ गया। बैंक को साल भर पहले की समान तिमाही में 971.80 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि इस दौरान उसकी कुल आय साल भर पहले के 1,889.30 करोड़ रुपये से 22 प्रतिशत बढ़कर 2,304.90 करोड़ रुपये हो गयी।

इस दौरान ब्याज से प्राप्त आय 25.8 प्रतिशत बढ़कर 1,923.1 करोड़ रुपये और ब्याज को छोड़ अन्य स्रोतों से प्राप्त आय 6.1 प्रतिशत बढ़कर 381.8 करोड़ रुपये हो गयी। बंधन बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसका कर पूर्व लाभ अब तक का सर्वाधिक रहा। यह लाभ 1,233 करोड़ रुपये रहा। आलोच्य तिमाही के दौरान बैंक की परिसंपत्ति की गुणवत्ता में गिरावट आयी। इस दौरान बैंक की एकीकृत गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां(एनपीए) 1.8 प्रतिशत यानी 1,064.20 करोड़ रुपये से कम होकर 1.2 प्रतिशत यानी 874 करोड़ रुपये पर आ गयी। इस दौरान शुद्ध एनपीए भी 0.6 प्रतिशत यानी 336.90 करोड़ रुपये से कम होकर 0.4 प्रतिशत यानी 262.50 करोड़ रुपये पर आ गया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

हरियाणा में हॉकी खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरू किया

चंडीगढ़। हरियाणा में 15 से 21 वर्ष की आयु के करीब 400 हॉकी खिलाड़ियों ने कोविड-19 महामारी के बीच गृह मंत्रालय के दिशानिदेशो का पालन करते हुए अभ्यास शुरू कर दिया है। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा कि सोनीपत, हिसार, जिंद, भिवाणी, रोहतक और शाहबाद मरकांडा में जिला स्तर पर कोचिंग कैम्प शुरू हो गया है जबकि सोनीपत में राज्य स्तर पर भी अभ्यास शुरू हो गया है। हॉकी हरियाणा के महासचिव सुनील मलिक ने कहा, हम कई स्थानीय कोचों के संपर्क में हैं ताकि सुरक्षा मानकों का पालन किया जा सके। विभिन्न आयु वर्ग की श्रेणियों में हमारे पास हरियाणा की बहुत मजबूत राज्य टीमें हैं और खिलाड़ियों को इतने लंबे अंतराल के बाद मैदान पर वापस देखना अच्छा है। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल, जो वर्तमान में बेंगलुरु में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में हैं, ने कहा, हरियाणा में युवा खिलाड़ियों को खेल गतिविधियों में लौटते हुए देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैं अपने गृहनगर शाहबाद की कुछ महिला खिलाड़ियों के संपर्क में हूं और वे मुझे हॉकी खेलते हुए वीडियो भेजती हैं और मुझे उन सभी को देखकर बहुत गर्व होता है।

सिंधु ने फैन्स को दिया झटका, बोलीं आई रिटायर

नई दिल्ली।

मौजूदा बैडमिंटन विश्व चैंपियन पीवी सिंधु ने सोमवार को उस समय खेल प्रेमियों को चौंका दिया जब उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, आई रिटायर। उनके इस शब्द के बाद ऐसा लग रहा था कि उन्होंने बैडमिंटन से संन्यास ले लिया है। लेकिन सिंधु ने बाद में कहा कि यह संन्यास उस डर और नेगेटिव सोच से है जिससे वह पिछले काफी समय से परेशान हैं और अब वह इससे छुटकारा पाना चाहती हैं। रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिंधु ने ट्विटर पर लिखा, डेनमार्क ओपन आखिरी टूर्नामेंट था। आई रिटायर (मैं संन्यास लेती हूं)। उन्होंने आगे कहा, मैं काफी दिनों से सोच रही थी कि मैं अपने विचारों को साफ तौर से रखूं। मैं इस बात को स्वीकार करती हूं कि मैं इससे काफी वक्त से जूझ रही हूं। आप जानते हैं कि मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा है, इसलिए मैं आज ये संदेश लिखकर बता रही हूं कि अब मैं और ज्यादा इसका सामना नहीं कर सकती। सिंधु लिखा, मैं समझ सकती हूं कि इस बयान को पढ़कर आप हैरान रह जाएंगे या असमंजस में पड़ जाएंगे। लेकिन जब आप मेरे विचार को पूरा पढ़ लेंगे तब मेरे विचारों को समझ पाएंगे और मैं उम्मीद करती हूं कि आप मेरा समर्थन करेंगे। मौजूद विश्व चैंपियन ने आगे लिखा, ये महामारी मेरे लिए आंखे खोल देने वाली घटना थी। मैं खुद को खेल के आखिर तक सबसे मजबूत विपक्षी के लिए ट्रेन कर सकती हूं। मैंने ऐसा पहले भी किया है और अब मैं ऐसा दोबारा भी कर सकती हूं। लेकिन इस अदृश्य वायरस का सामना कैसे करुं जिसने पूरी दुनिया पर ब्रेक लगा दिया है। महीनों से हम अपने घरों में हैं और अभी भी खुद से सवाल कर रहे हैं कि क्या हम बाहर निकलें या नहीं। सिंधु ने कहा, आज, मैं अशांति के इस वर्तमान अर्थ से संन्यास लेना चाहती हूं। मैं इस नकारात्मकता, निरंतर डर, अनिश्चितता से संन्यास लेती हूं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं घटिया स्वच्छता मानकों और वायरस के प्रति हमारे अभावग्रस्त रवैये से छूटकारा पानी चाहती हूं। 25 वर्षीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ने लोगों से आह्वान किया कि वे कोरोनोवायरस को हराने की तैयारी करें। उन्होंने कहा, आज हम जो चुनाव करते हैं वह हमारे भविष्य और अगली पीढ़ी के भविष्य को परिभाषित करेगा। हम उन्हें निराश नहीं कर सकते।

रिजिजू ने जीरकपुर में साई रिजनल सेंटर का उद्घाटन किया

मोहाली।

केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने पंजाब के जीरकपुर में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नए रिजनल सेंटर का सोमवार को वर्चुअल उद्घाटन किया। यह सेंटर अब उत्तरी भारत के मुख्य साई सेंटर के रूप में काम करेगा। साई ने रिजिजू के हवाले से कहा, भारत का उत्तरी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर और लेह से हिमाचल प्रदेश तक एक विशाल क्षेत्र को कवर करता है और हम भारत में विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं के निर्माण के उद्देश्य से इस क्षेत्र में बहुत विकास कर रहे हैं। यह विशेष रूप से हमारे युवा एथलीटों को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, जो इस देश के भविष्य हैं और भारत को एक खेल राष्ट्र बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। इस दौरान रिजिजू ने कोचों और एथलीटों को भी बधाई दी, जो इस नए सेंटर में ट्रेनिंग करेंगे। जीरकपुर के रिजनल सेंटर का प्रशासनिक भवन केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा बनाया गया है और इसमें जल्द ही अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

एंड्री रूबेला ने सोंगो को हराकर सीजन का 5वां खिताब जीता

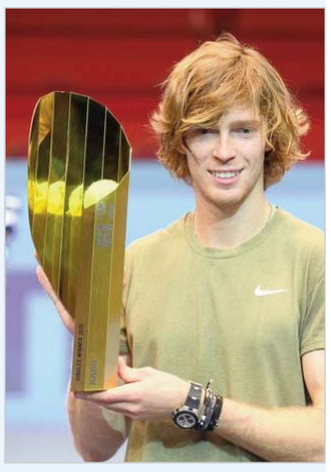

वियाना । एंड्री रूबेला ने सीजन का अपना पांचवें एटीपी खिताब एर्स्ट बैंक ओपन में 6-4, 6-4 से लोरेंजो सोंगो को हराकर हासिल कर लिया। आठ-रैंक वाले रूसी ने अपने पिछले चार टूर्नामेंटों में से तीन में जीत हासिल की है। एंड्री रूबेला इस छोटे सत्र में पांच खिताब के साथ पहले खिलाड़ी बन गए, जो नोवाक जोकोविच से एक अधिक है। किसी भी अन्य खिलाड़ी ने दो से अधिक टूर्नामेंट नहीं जीते हैं। 2019 में अंताल्या में जीत के बाद, सोनगो अपने दूसरे करियर के फाइनल में दिखाई दिए। 42 वीं रैंकिंग वाले इतालवी एक सप्ताह पहले योग्यता में हार गए थे, लेकिन घायल डिएगो श्वार्टज़मैन की जगह उन्हें मुख्य ड्रॉ में जोड़ा गया था। सोंगो ने फाइनल में अपने सेट को नहीं छोड़ा, जिसमें जोकोविच पर 6-2, 6-1 से क्वार्टर फाइनल जीत शामिल थी। फाइनल में, एंड्री रूबेला ने अपने शक्तिशाली ग्राउंड स्ट्रोक्स के साथ खेलते हुए अपना दबदबा बनाया और अपने पहले चार सर्विस गेम में सिर्फ एक अंक गंवाया। हालांकि, उन्होंने 5-4 पर दो ब्रेक पॉइंट का सामना किया और धीरे धीरे गेम पर पकड़ बना ली।

मजबूत मानसिकता ओलम्पिक में टीम की ताकत रहेगी : रानी

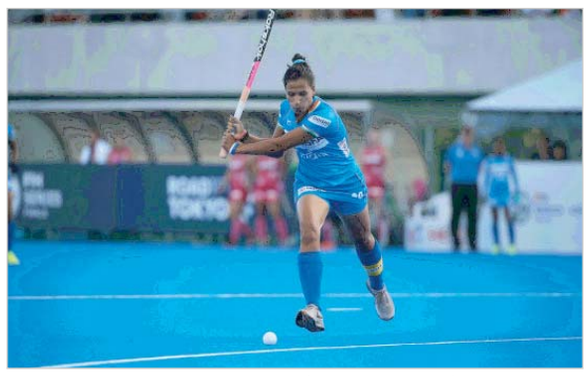

बेंगलुरू।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम ने आज से एक साल पहले भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में ओलम्पिक क्वालीफायर में जीत हासिल कर टोक्यो ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई किया था। मनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली पुरुष टीम ने रूस को कुल 11-3 के स्कोर से मात दे ओलम्पिक में जगह पक्की की थी। वहीं रानी रामपाल की कप्तानी में महिला टीम ने अमेरिका को करीबी मुकाबले में 6-5 से हराया था। हॉकी इंडिया (एचआई) द्वारा जारी बयान में रानी के हवाले से लिखा गया है, हमने पहले मैच में 5-1 से जीत हासिल की थी। यह पहली बार था की हमारी महिला टीम कलिंगा स्टेडियम में खेल रही थी और हमने वहां मौजूदा दर्शकों की भीड़ का फायदा उठाया और विपक्षी टीम के खिलाफ कुछ शानदार गोल कर उन्हें परेशान कर दिया। कलिंगा स्टेडियम में अपना पहला मैच इतने बड़े अंतर से जीतने का एहसास अविश्विस्नीय था। रानी ने कहा, पीछे देखती हूं तो मुझे लगता है कि पहले मैच में मिली बड़ी जीत के बाद हम दूसरे मैच में थोड़े लापरवाह हो गए थे। हाफ टाइम तक ड्रेसिंग रूम में काफी गुस्सा, चिल्लाना, नाराजगी थी। हम अपने हाथ से मैच जाने दे रहे थे। हमें वापसी करने के लिए मजबूत मानसिकता की जरूरत थी। मुझे याद है कि मैंने ड्रेसिंग रूम में रोते हुए सविता (उप-कप्तान) की तरफ देखा था और मैं अपने आप से कह रही थी कि यह नहीं हो सकता, हम अपने लोगों के सामने हार नहीं सकते। लेकिन यह मुख्य कोच शुअर्ड मरेन के शब्द थे, ऐसे खेलों की घड़ी अभी शुरू हुई है, भूल जाओ की पहले हाफ में क्या हुआ। इसने काफी अंतर पैदा किया। हम मैदान पर सकारात्मक ऊर्जा के साथ गए और किसी भी कीमत पर गोल करना चाहते थे। रानी को लगता है कि इससे मिली सीख उनकी टीम को नीदरलैंड्स जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ मदद करेगी। भारतीय महिला टीम को अगले साल अपने पहले ओलम्पिक मैच में नीदरलैंड्स से ही भिड़ना है। उन्होंने कहा, उस मैच से सबसे बड़ी सीख हमें यह मिली कि हमें पता चला कि हमारे अंदर वापसी करने की काबिलियत है। अगर चार-पांच साल पुरानी टीम इस स्थिति में होती तो हिम्मत हार जाती, लेकिन अब हमारी मानसिकता मजबूत है और टोक्यो ओलम्पिक में अगले साल जब हम नीदरलैंड्स, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन जैसी टीम के खिलाफ उतरेंगे तो यह हमारी ताकत होगी। वहीं पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत ने कहा कि टीम ओलम्पिक खेलों की अच्छी तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा, हम एक टीम के तौर पर अच्छे से आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए कोच ग्राहम रीड का शुक्रिया किया जाना चाहिए जिनके सही तरीकों से हमें मदद मिली और हमारे साइंटिफिक एडवाइजर रोबिन आर्केल का भी जिनकी मदद से हम अपनी पुरानी फिटनेस को हासिल कर सके।

संक्षिप्त समाचार

गोल्फ : बरमुडा चैम्पियनशिप में संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर रहे लाहिड़ी

साउथैम्पटन (बरमुडा)। भारत के पुरुष गोल्फ खिलाड़ी अनिर्बान लाहिड़ी और थाईलैंड के किराडेख अपहिबारनाट बरमुडा चैम्पियनशिप में संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर रहे हैं। पहले स्थान पर ब्रेंडन गे रहे जो इन दोनों से पांच शॉट आगे हैं। लाहिड़ी ने आखिरी दिन 67 का स्कोर किया जिससे ताजा रैंकिंग में वो 31वें स्थान पर पहुंच गए। किराडेख पोर्ट रॉयल गोल्फ कोर्स में खेले गए इस टूर्नामेंट के आखिरी दिन तीन अंडर 68 का स्कोर किया जिसमें चार बर्डी और एक बोगी शामिल रहीं। उन्होंने कुल 10 अंडर 274 के टोटल के साथ टूर्नामेंट का अंत किया। भारतीय गोल्फर ने आखिरी दिन छह बर्डी और दो बोगी लगाईं। अपने लगातार छठे पीजीए टूर सीजन में खेल रहे लाहिड़ी ने कहा, मैं इस सप्ताह निरंतरता से खुश हूं। मैंने काफी सारी छोटी-छोटी गलतियां की हैं जिससे मुझे नुकसान हुआ। शीर्ष-10 में अंत न करके मैं निराश हूं। लाहिड़ी ने आखिरी राउंड की अच्छी शुरुआत करते हुए दूसरे नंबर पर बर्डी लगाई। इसके बाद उन्होंने चौथे और सातवें नंबर पर बर्डी लगाई, लेकिन नौवें होल पर वह बोगी खेल बैठे। अगले पांच होल पर उन्होंने पार स्कोर किया और फिर तीन बर्डी और लगाईं और एक बोगी भी लगाईं।

धोनी अगर सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं तो अच्छा प्रदर्शन करना असंभव होगा: कपिल

नयी दिल्ली. महान क्रिकेटर कपिल देव का मानना है कि अगर महेंद्र सिंह धोनी इस साल की तरह बिना मैच अभ्यास के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने का फैसला करते हैं तो उनके लिए अच्छा प्रदर्शन करना 'असंभव' होगा। आईपीएल में 11वीं बार खेल रही चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम इस बार पहली बार आईपीएल प्ले आफ में जगह बनाने में नाकाम रही और पिछले साल विश्व कप सेमीफाइनल के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेल रहे धोनी 14 मैचों में 116 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 200 रन ही बना सके जबकि इस दौरान उन्होंने कोई अर्धशतक भी नहीं जड़ा। दिल का दौरा पड़ने के बाद हाल में एंजियोप्लास्टी कराने वाले कपिल चाहते हैं कि यह पूर्व भारतीय कप्तान अपनी फॉर्म वापस हासिल करने के लिए घरेलू टूर्नामेंटों में अधिक खेले। कपिल ने 'एबीपी न्यूज' से कहा, ''अगर धोनी हर साल सिर्फ आईपीएल में खेलने का फैसला करते हैं तो उसके लिए अच्छा प्रदर्शन करना असंभव होगा। आयु के बारे में बात करना सही नहीं है लेकिन उसकी आयु (39 बरस) में वह जितना अधिक खेलेगा शरीर उतना ही लय में रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप साल में 10 महीने क्रिकेट नहीं खेलोगे और अचानक आईपीएल खेलोगे तो आप देख सकते हो कि क्या होगा। इतना क्रिकेट खेलने पर किसी सत्र में उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। क्रिस गेल जैसे खिलाड़ी के साथ भी ऐसा हुआ है।'' कपिल का मानना है कि धोनी को इस सत्र में घरेलू क्रिकेट में खेलना चाहिए।

एलीट पुरूष और महिला खिलाड़ियों के लिए शिविर लगायेगा एआईटीए

नयी दिल्ली ।

भारतीय टेनिस महासंघ ने देश के शीर्ष खिलाड़ियों को अगले साल प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी की तैयारी के लिये मंच प्रदान करने के मकसद से डीएलटीए में अभ्यास शिविर में बुलाने का फैसला किया है। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने शिविर में शीर्ष 20 पुरूष और महिला खिलाड़ियों को आमंत्रित करने का फैसला किया है। इसके आखिर में एकल प्रारूप में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप खेली जा सकती है। पुरूष खिलाड़ियों का 21 दिवसीय शिविर 30 नवंबर से शुरू होगा जबकि महिला खिलाड़ियों का शिविर चार जनवरी से आरंभ होगा। शिविर डेविस कप कोच जीशान अली की देखरेख में होगा। जो प्रशिक्षण शिविरों के हाई परफार्मेंस निदेशक होंगे। उनके साथ दूसरे कोच, फिटनेस ट्रेनर, आहार विशेषज्ञ और जिम ट्रेनर भी रहेंगे। इस शिविर में फोकस शारीरिक अनुकूलन, आहार योजना , खुराक, प्रदर्शन के विश्लेषण पर रहेगा। एआईटीए महासचिव अनिल धूपर ने कहा- हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिये तैयार रहें। हम देख रहे हैं अगर शिविर के आखिर में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन संभव हो सकता है क्योंकि इस साल फेनेस्टा

चैम्पियनशिप भी नहीं हो सकी । इस पर फैसला कल तक हो जायेगा। यह चैम्पियनशिप एकल वर्ग में ही होगी । बीस खिलाड़ियों को चार चार के पांच समूहों में बांटा जायेगा जो राउंड राबिन आधार पर खेलेंगे। इसके बाद नॉकआउट चरण होगा। खिलाड़ियों की यात्रा और रहने का खर्च एआईटीए उठायेगा। विजेता को 75000 रूपये, उपविजेता को 50000 और सेमीफाइनल में पहुंचने वाले को 30000 रूपये दिये जायेंगे।

आईपीएल-13 : औरेंज कैप राहुल के पास, पर्पल कैप बुमराह के पास

दुबई। किंग्स इलेवन पंजाब का आईपीएल-13 में सफर निश्चित रूप से खत्म हो गया है लेकिन उसके कप्तान लोकेश राहुल अभी भी लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और इसलिए औरेंज कैप भी उन्हीं के पास है। वहीं मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में सबसे आगे हैं। उनके नाम पर्पल कैप है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए अंतिम मैच में राहुल ने 29 रन बनाए थे और इसी के साथ उन्होंने टूर्नामेंट का अंत 14 मैचों में 670 रनों के साथ किया। चेन्नई ने पंजाब को नौ विकेट से हरा दिया हालांकि चेन्नई टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। राहुल के बाद दिल्ली कैपिटल्स के शिखर धवन का नंबर है जिनके नाम 13 मैचों में 471 रन हैं। तीसरे नंबर पर चेन्नई के फाफ डु प्लेसिस हैं जिन्होंने 13 मैचों में 449 रन बनाए हैं। वहीं बुमराह 13 मैचों में 23 विकेट लेकर गेंदबाजों की सूची में पहले स्थान पर बने हुए हैं। दूसरे स्थान पर कैगिसो रबादा हैं जिनके नाम उतने ही विकेट हैं जितने बुमराह के नाम हैं, लेकिन बुमराह का औसत और इकॉनोमी रेट उनसे बेहतर है। राजस्थान रॉयल्स के जोफा आर्चर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 14 मैचों में 20 विकेट लिए हैं। आईपीएल का लीग चरण खत्म होने वाला है। इसमें सिर्फ दो मैच बचे हैं और इन्हीं दो मैचों से प्लेऑफ की तीन खाली जगहों का फैसला होगा। मुंबई इंडियंस तो इस समय पहले स्थान पर है और प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। बाकी तीन स्थानों के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद में रेस है।

बीबीएल : ब्रिस्बेन हीट से जुड़े इंग्लैंड के लेविस ग्रेगोरी

ब्रिस्बेन। ब्रिस्बेन हीट ने सोमवार को कहा कि उसने बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी सीजन के लिए इंग्लैंड के ऑलराउंडर लेविस ग्रेगोरी के साथ करार किया है। ग्रेगोरी ने बीते साल न्यूजीलैंड के खिलाफ इंटरनेशनल डेब्यू किया था और वह अब तक आठ टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टी20 ब्लास्ट चैम्पियनशिप में वह समरसेट के कप्तान हैं, जहां बल्लेबाज टॉम बेंटन भी खेलते हैं। ग्रेगोरी पहली बार बीबीएल में खेलेंगे। इससे पहले वह बांग्लादेश प्रीमियर लीग और पाकिस्तान सुपर लीग में खेल चुके हैं। ग्रेगोरी के रूप में क्लब ने तीसरा इंटरनेशनल खिलाड़ी साइन किया है। बीबीएल की शुरुआत तीन दिसम्बर से होनी है।

धोनी को दर्शकों के सामने अंतिम आईपीएल मैच खेलते देखना चाहता हूं : वॉन

दुबई।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि महेंद्र सिंह धोनी को अपना अंतिम आईपीएल मैच स्टेडियम में खचाखच भरे दर्शकों के सामने खेलना चाहिए क्योंकि वह इस खेल से एक शानदार विदाई के हकदार हैं। वॉन ने क्रिकब्ज के साथ बातचीत के दौरान कहा, अगर यूएई में अगले साल फिर से आईपीएल होता है जैसा इसकी संभावनाएं नजर आ रही हैं, तो धोनी को एक और साल आईपीएल खेलना होगा। वह दर्शकों के बिना खाली मैदान पर खेलकर अपना आईपीएल करियर खत्म नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा, धोनी को आईपीएल से रिटायर होने से पहले आईपीएल में कम से कम एक गेम खेलना होगा। वह दर्शकों के बिना खेलने नहीं जा सकते हैं। यदि कोई एक खिलाड़ी जो भारी संख्या में मौजूद दर्शकों के सामने अलविदा कहने का हकदार हैं, तो वह धोनी ही हैं। अगर वह शायद नहीं खेलें और बिना खेले ही अलविदा कह दें जैसे उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किया था तो यह ठीक नहीं होगा। मैं उनके अंतिम मैच के लिए दर्शकों का जमावड़ा देखना चाहता हूं। पूर्व भारतीय कप्तान धोनी ने रविवार को ही साफ कर दिया कि फिलहाल वह आईपीएल से संन्यास नहीं लेंगे और अगले साल भी इस लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलेंगे। रविवार को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ आईपीएल-13 में अपना आखिरी मैच खेले धोनी से मैच में टॉस के दौरान जब कमेंटेटर डैनी मॉरिसन ने पूछा था कि क्या चेन्नई के लिए आपका ये आखिरी आईपीएल मैच है? तो धोनी ने इस सवाल के जवाब में कहा था, नहीं, बिल्कुल नहीं। धोनी के इस जवाब से साफ हो गया कि वह आईपीएल 2021 में भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते रहेंगे। धोनी पहले सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने भी इस साल अगस्त में कहा था कि धोनी 2021 और 2022 में भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में खेलेंगे। धोनी ने इस साल 15 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी और ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार का आईपीएल, चेन्नई सुपर किंग्स के साथ धोनी का आखिरी आईपीएल होगा। तीन बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स पहली बार आईपीएल के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई है। धोनी 2010, 2011 और 2018 में चेन्नई को आईपीएल खिताब दिला चुके हैं। इसके अलावा उनकी कप्तानी में टीम चार बार उपविजेता भी रही है। धोनी आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी हैं।

आयोजकों में 2021 में ओलम्पिक आयोजित कराने की प्रतिबद्धता: सेबास्टियन कोए

गुरुग्राम। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबास्टियन कोए ने कहा है कि उन्होंने टोक्यो ओलम्पिक के आयोजकों में अगले साल खेलों के आयोजन को लेकर प्रतिबद्धता देखी है। टोक्यो ओलम्पिक खेलों का आयोजन इसी साल 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच होना था, लेकिन मार्च में कोविड-19 के कारण इन्हें स्थागित कर दिया गया। अब यह खेल 23 जुलाई से आठ अगस्त के बीच अगले साल होने हैं। कोए ने रविवार को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से वीडियो कॉन्फ्रेंस पर लंदन से बात करते हुए कहा, वहां शायद ज्यादा अनुकूलन हो, वो शायद आपकी टीम से पहले के ओलम्पिक खेलों की तुलना में ज्यादा प्रयास मांगे, लेकिन आप अपने खिलाड़ियों को यह आश्वस्त कर दीजिए कि टोक्यो में ओलम्पिक खेलों के आयोजन को लेकर प्रतिबद्धता है। इस चर्चा के दौरान कोए ने कहा कि कोविड-19 के कारण खराब हालात के बाद भी विश्व एथलेटिक्स ने इन मुश्किल महीनों में काफी कुछ किया है। उन्होंने कहा, विश्व एथलेटिक्स ने इन मुश्किल चुनौतियों में कुछ साहसिक फैसले लिए हैं। साथ ही एएफआई ने भी इस मुश्किल समय में अच्छा रोल निभाया है। कोए ने कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रगति देख कर काफी खुश हैं। उन्होंने साथ ही भारत के डोपिंग के संबंध में लिए गए सख्त रुख की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, आपने डोपिंग को लेकर सख्त रुख अपनाया है वो शानदार है। यह चुनौतीपूर्ण मुद्दे और समय है। मैं इस बात से खुश हूं कि विश्व एथलेटिक्स के कई सदस्य इस चुनौती से भाग नहीं रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

काजल अग्रवाल

ने गौतम किचलू संग लिए सात फेरे, पति के साथ इस अंदाज में दिए पोज, देखें फोटोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजल अग्रवाल शादी के बंधन में बंध चुकी हैं. एक्ट्रेस ने बिजनेसमैन गौतम किचलू से शादी की है. कुछ फैन पेज पर उनकी शादी की फोटोज तो आईं थीं, लेकिन खुद काजल अग्रवाल और गौतम किचलू ने अपनी वेडिंग ईवेंट की झलक फैंस दिखाई है. शादी के बाद पहली बार काजल ने अपने फैंस के साथ अपनी खूबसूरत वेडिंग फोटोज शेयर की हैं. इन फोटोज में काजल को बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही हैं. इन फोटोज में उनकी रॉयल वेडिंग की भी झलक देखने को मिली है.

काजल और गौतम की शादी की फोटो सामने आ गई है. दोनों की इस ड्रीम वेडिंग की लंबे समय से चर्चा थी. अब दोनों ने अपनी नई जर्नी शुरू कर दी है.

एक्ट्रेस के फैंस से लेकर सेलेब्रिटीज तक हर कोई उन्हें दुल्हन के रूप में देखने के लिए बेताब थे. काजल अग्रवाल ने अपनी शादी में लाल एम्बेलिश्ड लहंगा पहना था, जिसे उन्होंने पेल पिंक दुपट्टे और गोल्ड ज्वेलरी के साथ पेयर किया गया था.

उन्होंने अपने बालों को गोल्ड माथा पट्टी के साथ स्टाइल किया, हेडबैंड की तरह पहना. वहीं गौतम ने भी अपनी दुल्हनिया के साथ ट्विनिंग करते हुए गुलाबी दुपट्टे के साथ स्टाइल में शेरवानी के लुक को पूरा किया.

अपनी शादी में काजल अग्रवाल काफी खुश नजर आईं. इस दौरान उन्होंने कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए पोज दिए. शादी की रस्मों के दौरान काजल अग्रवाल और गौतम किचलू. काजल की शादी से पहले संगीत सेरेमनी हुई. काजल के संगीत, मेहंदी रस्म की तस्वीरें फैंस के बीच खूब पसंद की गई थीं.

निकिता तोमर हत्याकांडः 'मिर्जापुर' पर बरसीं कंगना रनौत, बोलीं- 'यही होता है जब आप क्राइम को...'

कंगना रनौत ने अपने नए ट्वीट में क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज़ मिर्जापुर को जमकर लताड़ लगाई है. उन्होंने मेकर्स पर वेब सीरीज में अपराधियों को महिमामंडित करने और नायक-विरोधी के रूप में दिखाए जाने का आरोप लगाया है. अपने ट्वीट में, उन्होंने यहां तक कह दिया है बॉलीवुड अच्छे से अधिक नुकसान पहुंचा रहा है. दरअसल, कंगना रनौत ने यह ट्वीट निकिता तोमर हत्याकांड के चलते किया है.

अपने ट्वीट में कंगना रनौत ने लिखा है- ऐसा तब होता है जब आप अपराधियों को महिमामंडित करते हैं जब अच्छे दिखने वाले युवकों द्वारा नकारात्मक और गहरे चरित्र निभाए जाते हैं और उन्हें खलनायक नहीं बल्कि एंटी हीरो के रूप में दिखाया जाता है. बॉलीवुड को शर्म आनी चाहिए, कि वह हमेशा ही भलाई और अच्छाई से ज्यादा नुकसान करता है. एक्ट्रेस का यह ट्वीट अब तेजी से वायरल हो रहा है. जिसमें यूज़र उनका समर्थन करते दिख रहे हैं.

बता दें, बीते 26 अक्टूबर को ही तौफीस नाम के युवक ने निकिता तोमर नाम की एक छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी. इस पूरी घटना की एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है. जिसे देखने के बाद हर कोई हैरान रह गया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तौफीस वेब सीरीज मिर्जापुर के किरदार मुन्ना से काफी प्रभावित था और उसने इसी किरदार से प्रभावित होकर यह कदम उठाया. ऐसे में कंगना रनौत ने मिर्जापुर के कंटेंट पर सवाल उठाए हैं.

फ्रांस में हुए हमले की जावेद अख्तर, नसीरूद्दीन शाह और स्वरा भास्कर ने की निंदा

गीतकार जावेद अख्तर एक्टर नसीरूद्दीन शाह शबाना आजमी, स्वरा भास्कर वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण और लेखक-कार्यकर्ता तुषार गांधी सहित विभिन्न क्षेत्रों के 100 से अधिक प्रख्यात भारतीयों ने फ्रांस में धर्म के नाम पर हाल ही में हुई हत्याओं की शनिवार को स्पष्ट रूप से निंदा की. उन्होंने इन हत्याओं को 'तर्कसंगत' ठहराने वाले कुछ मुस्लिम धर्म गुरुओं और नेताओं के बयानों की भी आलोचना की.

हत्या की घटनाओं की निंदा करने वाले बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में अदाकारा शबाना आजमी, स्वरा भास्कर, लेखक-निर्देशक फिरोज अब्बास खान, निर्देशक कबीर खान, अंजुम राजाबलि, डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता आनंद पटवर्द्धन, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी जुलियो एफ रिबेरो और उद्योगपति अब्दुल अजीज लोखंडवाला शामिल हैं. बयान में कहा गया है कि ये लोग धर्म के नाम पर हाल ही में अंजाम दी गई हत्या की घटनाओं की 'स्पष्ट रूप से और बिना शर्त' निंदा करते हैं. बयान में कहा गया है, 'हम सोची समझी साजिश के तहत की गई हत्याओं को उचित ठहराने संबंधी भारतीय मुस्लिमों के कुछ स्व-घोषित अभिभावकों के उटपटांग तर्क से बहुत आहत हुए हैं तथा कुछ राष्ट्राध्यक्षों की अस्वीकार्य टिप्पणियों की भी निंदा करते हैं.'

बयान पर हस्ताक्षर करने वालों ने कहा है कि इस तरह के जघन्य अपराधों को अपने खेमे से जुड़े लोगों द्वारा अंजाम दिए जाने पर सभी धार्मिक समूहों का प्रत्यारोप लगाना रोजमर्रा की बात हो गई है. बयान में कहा गया है, 'हम 'फ्रांस काउंसिल फॉर मुस्लिम फेथ' के साथ एकजुटता से खड़े हैं.'

फ्रांस में एक चर्च में किए गए हमले में मारे गए थे 3 लोग बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में लेखक-निर्माता दानिश जावेद, थियेटर से जुड़ी शख्सियत मल्लिका साराभाई, नेशनल अलायंस ऑफ पीपुल्स मूवमेंट की मेधा पाटकर और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी भी शामिल हैं. उल्लेखनीय है कि गुरुवार को फ्रांस के नीस में एक चर्च में चाकू से किए गए हमले में 3 लोग मारे गए थे. फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे 'इस्लामी आतंकवादी हमला' कहा था.

जब शाहरुख की वजह से ऐश्वर्या राय को कई फिल्मों से धोना पड़ा था हाथ, एक्ट्रेस ने खुद किया था खुलासा

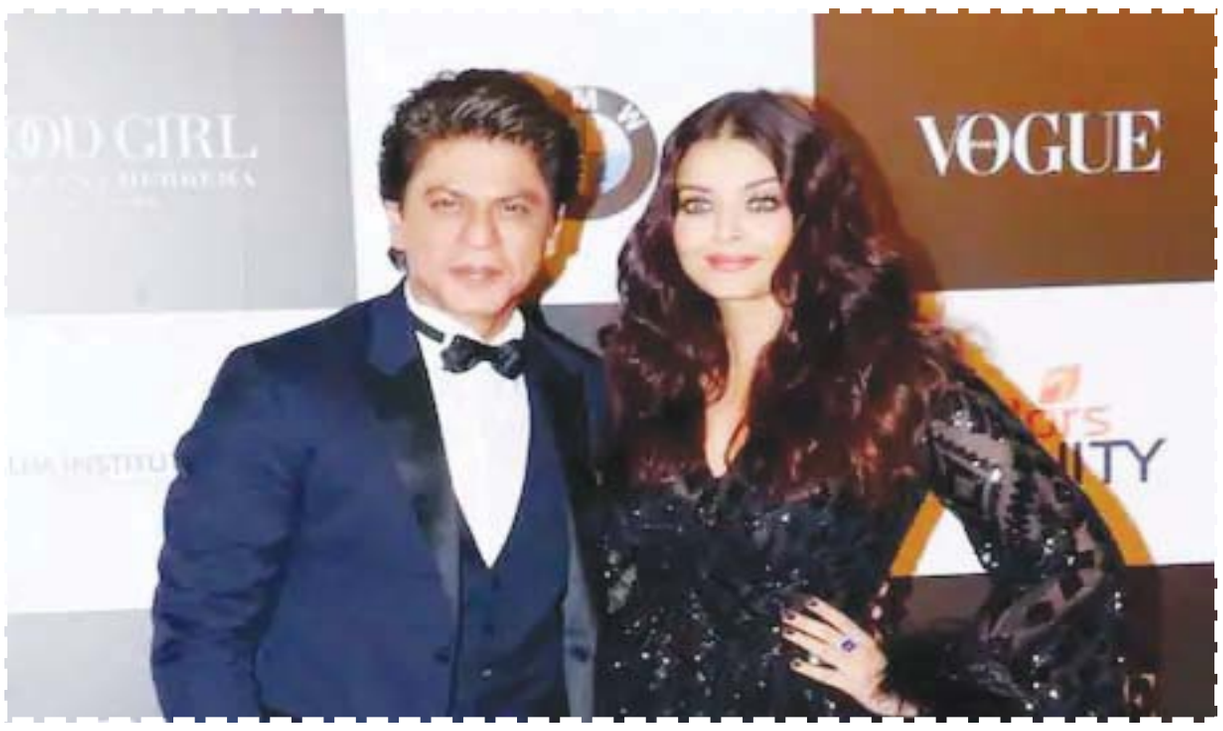

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान (Shah Rukh Khan) और ऐश्वर्या राय बच्चन (Aishwarya Rai Bachchan) ने कई फिल्मों में साथ काम किया है. दोनों की ऑनस्क्रीन जोड़ी को दर्शकों के बीच काफी पसंद किया जाता है. दोनों की खूबसूरत केमिस्ट्री कई मौकों पर दर्शकों का दिल जीतती आई है. लेकिन, कब रिश्तों के समीकरण बदल जाए, ये बता पाना काफी मुश्किल होता है. ऐसा ही कुछ हुआ था, ऐश्वर्या राय (Aishwarya Rai Bachchan Birthday) और शाहरुख खान के बीच. एक्ट्रेस ने एक बार खुद ही एक किस्सा शेयर किया था जिसे सुनकर सभी हैरान रह गए थे.

सिमी गरेवाल के शो में बात करते हुए ऐश्वर्या राय ने इस पर चर्चा की थी. एक्ट्रेस से जब सिमी गरेवाल ने पूछा कि उनके करियर में एक ऐसा भी दौर था, जब उन्हें कई फिल्मों से बाहर कर दिया गया तो जवाब में एक्ट्रेस ने कहा- 'मुझे नहीं पता कि मैं इस पर क्या कहूं. क्या जवाब दूं. हां ये सच है कि उस समय मुझे कुछ फिल्मों के ऑफर मिले थे. लेकिन, अचानक से कुछ ऐसा हुआ कि मुझे उन फिल्मों से निकाल दिया गया और इसे लेकर मुझे कुछ स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया. मुझे नहीं पता, ऐसा क्या हुआ.'

बता दें, इन फिल्मों में शाहरुख खान की प्रीति जिंटा और रानी मुखर्जी के साथ आई सुपरहिट फिल्म वीर जारा भी शामिल थी. फिल्म में पहले ऐश्वर्या राय को कास्ट किया गया था, लेकिन अचानक ही फिल्म से ऐश्वर्या राय को हटा दिया गया. खुद शाहरुख खान ने एक बार इस पर अफसोस जाहिर किया था. एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद खुलासा किया था कि पहले वह फिल्म में ऐश्वर्या राय के साथ काम करने जा रहे थे.

शाहरुख ने कहा था कि वे ऐश्वर्या राय की पर्सनल लाइफ में ज्यादा ही एक्टिव हो गए थे, जो कि उन्हें नहीं होना चाहिए था. शाहरुख के इस बयान पर ऐश्वर्या राय ने जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने खुद कभी किसी फिल्म के लिए इनकार नहीं किया. ऐश्वर्या ने यह भी कहा था कि बड़ी फिल्मों से यूं अचानक बाहर कर दिया जाना काफी दुखद होता है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की सीमा के नजदीक रेल चालने की तैयारी में चीन, सिचुआन-तिब्बत रेलवे के यान-लिंझी खंड का शुरू करेगा निर्माण

बीजिंग। चीन अब भारत की सीमा के नजदीक रेल चलाने की तैयारी में है। चीन दक्षिण पश्चिमी सिचुआन प्रांत के यान और तिब्बत के लिंझी के बीच रणनीतिक महत्व के सिचुआन-तिब्बत रेल मार्ग का निर्माण शुरू करने वाला है। आधिकारिक मीडिया ने यह जानकारी दी। लिंझी को नयींगशी के नाम से भी जाना जाता है और अरुणाचल प्रदेश सीमा के नजदीक स्थित है। लिंझी में एक हवाईअड्डा भी है, जो हिमालयी क्षेत्र में चीन द्वारा बनाए गए पांच हवाईअड्डों में शामिल है। चाइना रेलवे ने दो सुरंग और एक पुल के निर्माण कार्य और शिचुआन-तिब्बत रेलवे के यान-लिंझी खंड के लिए बिजली आपूर्ति के लिए शनिवार को निविदा के परिणाम घोषित किए। इससे संकेत मिलता है कि परियोजना का निर्माण कार्य शुरू होने वाला है। सरकारी चाइना न्यूज की खबर के मुताबिक चिंघाई-तिब्बत रेलवे के बाद, सिचुआन-तिब्बत रेलवे तिब्बत में ऐसी दूसरी परियोजना है।

कोरोना को गंभीरता से नहीं लिया : ओबामा

ट्रंप का ध्यान अपने अहम की तुष्टि पर ही केंद्रित रहा

एजेंसी,पिट्सबर्ग। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप लगाया कि उनका ध्यान अपने अहम की तुष्टि पर ही केन्द्रित रहा और उन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण के संकट को गंभीरता से नहीं लिया जबकि दूसरी तरफ उनके डेमोक्रटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन कोरोना वायरस महामारी को गंभीरता से लेते हैं।

ओबामा ने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन के पक्ष में मिशिगन में शनिवार को चुनाव प्रचार करते हुए कहा कि पिछले चार वर्ष में ट्रंप ने अपने सिवाए किसी और देशवासी की मदद में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ध्यान अपने अहम की तुष्टि पर ही केन्द्रित है, वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के

उम्मीदवार बाइडेन का ध्यान शालीनता और सहानुभूति पर है।

देश के 44वें राष्ट्रपति रहे ओबामा ने ट्रंप की नीतियों को लेकर उनकी जमकर आलोचना की। ओबामा ने कहा, उन्होंने काम करने में या किसी की मदद करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, सिवाए अपने, या अपने दोस्तों के और राष्ट्रपति पद को एक रियलिटी शो से ज्यादा कुछ नहीं माना ,जो उनकी ओर सबका ध्यान आकर्षित करे लेकिन दुर्भाग्य से हम बाकी लोगों को अंजाम भुगतना पड़ रहा है। ओबामा के साथ मिशिगन में फ्लिंट और डेट्रायट की रैलियों में बाइडेन भी मौजूद थे।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, मैं आपको बता सकता हूं कि आप जो हैं उसे राष्ट्रपति पद बदल नहीं सकता। यह दर्शाता है कि आप क्या हैं। यह खुलासा करता है कि आप कौन हैं। आठ वर्षों तक बाइडेन ऐसे व्यक्ति रहे जोकि मेरे हर बड़े फैसले के दौरान मौजूद रहे।

ओबामा ने बाइडेन की तारीफ करते हुए कहा, बाइडेन मेरे भाई हैं, वह मेरे प्रिय हैं।

वह शानदार राष्ट्रपति साबित होंगे और वह सभी के साथ शालीनता और आदर से पेश आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बाइडेन ने मुझे एक बेहतर राष्ट्रपति बनाया।

ओबामा ने कहा, उनके (बाइडेन) पास हमें एक बेहतर देश बनाने के लिए अनुभव है। वह और कमला (हैरिस) सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि हम सभी के लिए मुकाबला करने जा रहे हैं।

हालांकि, हम निश्चित रूप से अपने वर्तमान राष्ट्रपति के बारे में ऐसा नहीं कह सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप व्हाइट हाउस में एक रियेलिटी शो चला रहे हैं।

ट्रंप ने संक्रामक रोग विशेषज्ञ को बर्खास्त करने का संकेत दिया

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह मंगलवार को होने वाले चुनाव के बाद डॉ एंटोनी फौसी को बर्खास्त कर सकते हैं। ट्रंप और देश के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ के बीच दरार गहरी होती जा रही है। वहीं अमेरिका कोरोना वायरस से जूझ रहा है। फ्लोरिडा के ओपा-लोका में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने इस बात पर हताशा जताई कि संक्रमण के मामलों में वृद्धि का खबरों में अब भी प्रमुख स्थान है। इसके बाद राष्ट्रपति के समर्थकों ने फौसी को बर्खास्त करो के नारे लगाने शुरू कर दिए।

सोमवार रात को ट्रंप ने हजारों समर्थकों को जवाब दिया, किसी से कहिएगा नहीं, लेकिन चुनाव के बाद तक मुझे थोड़ा इंतजार करने दीजिए। उन्होंने कहा कि वह अपने समर्थकों की सलाह को सराहते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप ने पहले कहा था कि वह चुनाव से पहले लोकप्रिय और सम्मानित डॉक्टर को बर्खास्त करने के राजनीतिक नुकसान को लेकर चिंतित हैं।

इस्लाम निंदक फेसबुक पोस्ट की अफवाह पर बांग्लादेश में हिंदू परिवारों पर हमला

एजेंसी, ढाका। बांग्लादेश में कथित रूप से इस्लाम की निंदा संबंधी फेसबुक पोस्ट की अफवाह के चलते कोमिला जिले में कुछ कट्टरपंथियों ने कई हिंदू परिवारों के घरों में तोड़फोड़ की और उनमें आग लगा दी। मीडिया ने सोमवार को यह खबर दी। बीडीन्यूज 24 डॉट कॉम ने खबर दी कि रविवार को इन घरों में तोड़फोड़ की गयी और उनमें आग लगा दी गई। इस घटना से पहले फ्रांस में रहने वाले एक बांग्लादेशी व्यक्ति ने अमानवीय विचाराधारा के खिलाफ कदम उठाने के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों की कथित रूप से प्रशंसा की थी। मैक्रों ने पैगंबर मोहम्मद के कार्टून को दिखाने पर पेरिस में एक शिक्षक का सिर कलम कर दिए जाने पर कड़े कदम उठाए हैं। खबर के अनुसार, पूर्बो धौर के बाल विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने पोस्ट पर टिप्पणी में मैक्रों की कार्रवाई का स्वागत किया था। फेसबुक पोस्ट के बारे में अफवाह फैलने पर शनिवार को इलाके में तनाव छा गया। इस खबर में बांगरा बाजार थाने के प्रभारी अधिकारी कमरुजम्मां के हवाले से बताया गया है कि पुलिस ने धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनमें बाल विद्यालय का प्रधानाध्यापक और समीप के अंडकोट गांव का एक बाशिंदा शामिल हैं। जिले के उपायुक्त मोहम्मद अदुल फजल मीर ने इलाके का दौरा करने के बाद बीडीन्यूज 24 डॉट कॉम से कहा, अब स्थिति नियंत्रण में है। उपायुक्त ने बताया कि स्थानीय लोगों ने गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों समेत कई अन्य लोगों के घरों पर हमला किया। जब उनसे पूछा गया कि प्रशासन ने हमलावरों के खिलाफ क्या कदम उठाए हैं तो उन्होंने कहा कि प्रशासन ने कार्रवाई की है। कमरुजम्मां ने बताया कि हमले को लेकर मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि हमलावरों की पहचान के लिए पुलिस वीडियो देखेगी। पैगंबर मोहम्मद के कार्टूनों को लेकर फ्रांस के खिलाफ कई मुस्लिम बहुल देशों में पिछले कुछ समय से प्रदर्शन किया जा रहा है।

फ्रांस में हमले के बाद अब कनाडा में चाकूबाजी

दो की मौत और एक गिरफ्तार; ऑस्ट्रिया में भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश

एजेंसी,क्यूबेक सिटी। फ्रांस में शिक्षक की निर्मम हत्या के बाद अब कनाडा के क्यूबेक और ऑस्ट्रिया में हमले की घटना देखने को मिली है। कनाडा के क्यूबेक शहर की पुलिस ने प्रांतीय विधायिका के निकट हैलोवीन दिवस पर चाकू मार कर दो लोगों की हत्या करने और पांच लोगों को घायल करने के संदेह में एक व्यक्ति को रविवार सुबह गिरफ्तार किया है। इससे पहले, प्रांतीय पुलिस ने कहा था कि वह मध्यकालीन परिधान पहने उस व्यक्ति की तलाश कर रही है, जिसने धारदार हथियार से कई लोगों को निशाना बनाया। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध की उम्र 25 वर्ष के करीब है। पुलिस ने दो लोगों के मारे जाने और पांच लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। पुलिस ने अभी यह जानकारी नहीं दी है कि हमले के पीछे का कारण क्या है। उन्होंने बताया कि पांचों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है, लेकिन उनकी स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। पुलिस ने इस इलाके के लोगों से घरों पर ही रहने का अनुरोध किया है। वहीं, ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना के एक गिरजाघर में इस हफ्ते 30 से 50 युवकों के एक समूह ने फर्नीचर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस को बुलाए जाने के बाद वे सभी भाग गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि फ्रांस में हाल ही में एक गिरजाघर पर इस्लामी चरमपंथी हमला हुआ था। 'कूरियर' अखबार की शुक्रवार की खबर के मुताबिक, गुरुवार शाम वियना के फावोरीटन जिले में स्थित सैंट एंटोन गिरजाघर में युवकों के एक समूह ने फर्नीचर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। जांचकर्ताओं को संदेह है कि तुर्की के युवाओं ने इस घटना को अंजाम दिया होगा और वे सोशल मीडिया के माध्यम से एक-दूरे से जुड़े होंगे। पुलिस ने कहा कि जब युवाओं ने फर्नीचर को नुकसान पहुंचाना शुरू किया तो एक पादरी ने पुलिस को सूचना दी और अधिकारियों के मौके पर पहुंचने से पहले ही वे सभी फरार हो गए। पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इस घटना में किसी तरह की क्षति नहीं हुई और किसी के चोट नहीं आई है। स्थानीय खुफिया एजेंसी मामले की जांच में जुट गई है। ऑस्ट्रिया के चांसलर सेबस्टियन कुर्ज ने शुक्रवार रात ट्वीट किया, ऑस्ट्रिया में सभी ईसाई स्वतंत्रतापूर्वक एवं सुरक्षित तरीके से अपना धार्मिक आचरण कर सकेंगे। हम 'राजनीतिक इस्लाम' के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। कि फ्रांस में पैगम्बर मोहम्मद का कॉर्टून दिखाने वाले इतिहास के शिक्षक की निर्मम हत्या के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने इस्लाम को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया था जिसके बाद दुनियाभर के कई देशों के मुसलमान उनका विरोध कर रहे हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने मुसलमानों से कहा- कार्टून नहीं हो सकता है हिंसा का बहाना, नहीं किया जाएगा बर्दाश्त

रॉयटर्स, पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपत इमैनुएल मैक्रों ने शनिवार को कहा कि वह पैगंबर मोहम्मद के कार्टून से क्षुब्ध मुसलमानों का सम्मान करते हैं लेकिन यह हिंसा के लिए बहाना नहीं हो सकता है। फ्रांस के राष्ट्रपति ने पैगंबर मोहम्मद के कार्टून से उपजे विवाद के बीच फ्रांस में पहले शिक्षक पैटी और फिर नीस के चर्च में तीन लोगों की हत्या के बाद ये बातें कही हैं। इसके अलावा इस्लामिक देशों ने मैक्रों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस बीच फ्रांस में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। फ्रांस के इरादों को लेकर इस्लामिक देशों में बनी गलतफहमी को दूर करने के प्रयास के तहत मैक्रों ने अरबी टेलिविजन नेटवर्क अल जजीरा को इंटरव्यू दिया है, जिसे शनिवार को प्रसारित किया गया। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस हिंसा के सामने नहीं झुकेगा और कार्टून के प्रकाशन सहित स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकार का बचाव करेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि वह या उनके अधिकारी कार्टून का समर्थन करते हैं, जिसे मुस्लिम ईशनिंदा समझते हैं, या फ्रांस किसी भी तरह से एंटी मुस्लिम है।

भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच इमरान खान की नापाक हरकत

गिलगित-बाल्टिस्तान को दिया अस्थायी प्रांत का दर्जा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को गिलगित-बाल्टिस्तान को अस्थायी प्रांत का दर्जा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह घोषणा उस दौरान की, जब गिलगित-बाल्टिस्तान में लोग इमरान सरकार के इस कदम का विरोध करते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं। इमरान खान ने अस्थायी प्रांत का ऐलान करते हुए कहा, ''मेरे गिलगित-बाल्टिस्तान आने के पीछे की वजहों में से एक यह ऐलान करना है कि हमने गिलगित-बाल्टिस्तान को अस्थायी प्रांत बनाने का निर्णय किया है।'' पाकिस्तान का ऐलान सऊदी अरब के उस कदम के बाद आया है, जब हाल ही में उन्होंने पाकिस्तान के मैप से गिलगित-बाल्टिस्तान को हटा दिया था। बीते लंबे समय से पाकिस्तान की इमरान सरकार के खिलाफ गिलगिल-बाल्टिस्तान के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं। लोग इमरान सरकार का जमकर विरोध करते हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तानी सरकार के इस फैसले के बाद स्थानीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन और बड़े स्तर पर भड़क सकते हैं। इससे पहले, 8 अक्टूबर को पीओके के मुजफ्फराबाद शहर में जम्मू-

कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और स्टूडेंट लिबरेशन फ्रंट ने सरकार के गिलगिल-बाल्टिस्तान के संभावित फैसले के खिलाफ जमकर विरोध किया था। इस दौरान, इमरान खान के खिलाफ खूब नारेबाजी भी हुई थी। पॉलिटिकल एक्टिविस्ट्स का कहना है कि वे बलिदान देने को तैयार हैं, लेकिन पाकिस्तान को क्षेत्र की स्थिति में बदलाव नहीं करने देंगे। गिलगित-बाल्टिस्तान के वे लोग, जो दूसरे शहरों में रह रहे हैं, उन्होंने भी इस्लामाबाद के फैसले के खिलाफ सड़क पर उतरने का फैसला लिया है। बता दें कि गिलगित-बाल्टिस्तान, जिसे पहले उत्तरी क्षेत्रों के रूप में जाना जाता था, उसे 'गिलगित-बाल्टिस्तान सशक्तीकरण और 2009 के स्व-शासन आदेश' द्वारा शासित किया गया है। इस क्षेत्र में चुनाव उस आदेश के तहत हुए हैं जो केवल सीमित स्वायत्तता प्रदान करता है।

ब्रिटेन में नहीं घटी कोरोना संक्रमण दर तो जरूरत पड़ने पर बढ़ेगा लॉकडाउन

एजेंसी, नई दिल्ली। ब्रिटेन में कोरोना वायरस (कोविड-19) के मामले कम नहीं होने पर लॉकडाउन की अवधि बढ़ाई जा सकती है।

ब्रिटिश कैबिनेट कार्यालय मंत्री माइकल गोवे ने रविवार को कहा कि देश में अगर कोरोना वायरस के संक्रमण की दर पर्याप्त रूप से कम नहीं होती हे तो एक महीने के लॉकडाउन का विस्तार किया जा सकता है। ब्रिटेन में लॉकडाउन गुरुवार से लगाया जा रहा है और यह दो दिसंबर तक रहेगा।

गोवे का यह बयान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के उस बयान के बाद आया है जिसमे उन्होंने शनिवार को डाउनिंग स्ट्रीट से संवाददाता सम्मेलन में देश में दो दिसंबर तक लॉकडाउन लगाने की घोषणा की थी। ब्रिटेन में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 23,254 नये मामलों की पुष्टि होने के

बाद देश में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 10,34,914 पर पहुंच गई। इस दौरान कोविड-19 के 162 मरीजों की मौत होने से इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 46,717 हो गयी है। लॉकडाउन के नये प्रतिबंधों के तहत, लोगों को घर में ही रहना होगा। हालांकि, कुछ मामलों में जैसे काम, शिक्षा और व्यायाम के लिए घर से बाहर जाने की छूट दी गई है। लोगों को खाने-पीने की चीजें खरीदने के लिए अपने घरों से बाहर जाने की अनुमति होगी। इस वर्ष की शुरुआत में ब्रिटेन में लागू लॉकडाउन के विपरीत इस बार स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी खुली रहेंगी जबकि पब, बार और रेस्तरां बंद रहेंगे। साथ ही लग्जरी और मनोरंजन से जुड़े सभी स्थल और गैर-जरूरी दुकानें भी बंद रहेंगी।

इस बीच, ब्रिटेन की सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार समूह ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में अप्रैल महीने की तरह कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं। गौरतलब है कि रूस, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी और स्पेन समेत कई अन्य यूरोपीय देशों में पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यह सभी देश जल्द से जल्द कोरोना वैक्सीन विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं।

कोरोना संक्रमित के संपर्क में आए WHO के महानिदेशक, बोले- कोई भी लक्षण नहीं दिख रहा

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेबियस ने रविवार को कहा कि उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क के रूप में पहचाना गया, जिसका कोविड-19 टेस्ट पॉजिटुल आया था। लेकिन उन्होंने कहा कि वह अच्छा महसूस कर रहे थे और उनके अंदर कोरोना के कोई लक्षण नहीं थे। टेड्रोस ने एक ट्वीट में कहा, मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क के रूप में पहचाना गया है जो कि कोरोन पॉजिटिव पाया गया है। मैं अच्छी तरह से और बिना लक्षणों के हूं, लेकिन आने वाले दिनों के लिए मैंने खुद को क्वारंटाइन कर लिया है और घर से काम करूंगा। कोरोना देश और दुनिया से खत्म होने का नाम ही नहीं रहा। रविवार को आंकड़ों का बात करें तो 46,964 नए COVID-19 संक्रमण के साथ, भारत में कुल मामले 81,84,083 हो गए हैं। इसके अलावा 470 नई मौतों के साथ मरने वालों का कुल आंकड़ा 1,22,111 हो गया है। कुल सक्रिय और ठीक हो चुके मामले क्रमश: 5,70,458 और 74,91,513 हैं। आज लगातार तीसरे दिन कोरोना पीड़ितों के दैनिक आंकड़ों में कमी आई है। इससे पहले शनिवार को 48,268 नए मामले सामने आए थे जबकि शुक्रवार को 48,648 नए मामले देखने को मिले थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मधुर प्यार और अखंड सुहाग का मंगल पर्व- करवा चौथ

करवा चौथ पर जानिए फैशन आइडियाज

करवा चौथ का दिन हर सुहागिन महिला के लिए बेहद मायने रखता है। इस खास दिन महिलाएं भी अपने श्रृंगार में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं रखना चाहती हैं। करवा चौथ के दिन महिलाएं नए कपड़े पहनती हैं व अच्छी तरह से अपना पूरा श्रृंगार करती हैं। इस करवा चौथ हम आपको फैशन के कुछ ऐसी टिप्स बता रहे जिनका आपको ख्याल रखना चाहिए आइए जानते है...

करवा चौथ फैशन आइडियाज....

आप इस करवा चौथ पर लाल रंग का लहंगा साड़ी ट्राई कर सकती हैं। यह बेहद खूबसूरत लगती है। आप लाल लहंगा साड़ी ट्राई करना चाहती हैं तो इसके साथ एम्बलिश्ड ब्लाउज पहन सकती हैं, जो आपकी साड़ी की खूबसूरती को और भी ज्यादा बढ़ा देगा।

अगर आप इस करवा चौथ सूट पहनने के बारे में सोच रही हैं तो रेड अनारकली सूट आप ट्राई कर सकती हैं। आप चाहें तो सिल्क फैब्रिक से तैयार सूट पहन सकती हैं। यह आपको सिम्पल सोबर लुक तो देगा ही, साथ ही आप इसमें बेहद खूबसूरत भी नजर आएंगी। आप चाहें तो सूट का सिलेक्शन इस तरह कर सकती हैं कि ऐसा अनारकली सूट जिसमें जरदोजी, जरी, डोरी, पर्ल और सीक्वेंस वर्क किया हो, ये आपको बेहतरीन लुक देगा। इसके साथ आप पोल्की वर्क वाले ईयररिंग ?स और कंगन पहन सकती हैं।

आजकल तो प्लाजो महिलाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। आप यदि साड़ी, सूट, लहंगा इस करवा चौथ नहीं पहनना चाहती हैं, तो ट्रेडिशनल लुक वाली हैंड एम?ब्रॉयडर्ड रेड जैकेट और रफ्लड प्लाजो पहन सकती हैं। यह आपको स्टाइलिश लुक तो देगा ही, साथ ही आप एकदम डिफरेंट नजर आएंगी।

फैशन के इस युग में लाख के कंगनों की कई प्रकार की वैरायटियां बाजारों में उपलब्ध हैं। जिसमें पक्के नग वाली चूड़ी को शहरवासी अधिक पसंद करते हैं। लाख की इन चूड़ियों का महत्व खास तौर पर करवा चौथ, दीपावली और मांगलिक कार्यों में बहुत अधिक रहता है। फिलहाल फैशन में मेहरून, कत्थई, सफेद, लाल व चटनी रंग की चूड़ियों की लोकप्रियता ज्यादा है। तो आप इस करवा चौथ लाख की चूड़िया ट्राई कर सकती है।

अगर आप साड़ी या लहंगे के साथ टियारा या हैडबैंड ट्राई करने के बारे में सोच रही हैं तो यह बिलकुल भी न करें। ये आप किसी दूसरे की शादी में ट्राई न करें। अपने घर के फंक्शन में या अपनी ही हल्दी या मेहंदी में इसे ट्राई किया जा सकता है, लेकिन किसी दूसरे की शादी में टियारा या हैडबैंड के लिए तो Big Nooo...

कई बार हम ड्रेस भी हैवी पहनते हैं और उसके साथ बहुत हैवी ज्वेलरी और मेकअप भी कर लेते हैं। तो ऐसा करना बिलकुल भी ठीक नहीं है। ये आपको ओवरलुक देता है और आप अपनी उम्र से ज्यादा बड़े भी नजर आते हैं। ध्यान रहे, अगर आप हैवी नेकपीस पहन रही हैं तो ईयरिंग न पहनें। आपको अपनी ड्रेस, ज्वेलरी और मेकअप को बैलेंस करना है।

अब जानते हैं त्वचा में चमक लाने के लिए ब्यूटी सिक्रेट्स ड्रिंक्स के बारे में

शरीर को अंदर से साफ करने के लिए इसे डिटॉक्स करना बेहद जरूरी है इससे चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है। आप अनार का जूस पीना शुरू करें ताकि इससे आपका शरीर में खून साफ होगा और टॉक्सिन्स बाहर निकलेगे। नार के जूस में एंटीऑक्सीडेंट्स होने से स्किन को पर्याप्त मात्रा में पोषण मिलता है। इसलिए इनका सेवन शुरू करें।

स्किन में ग्लो के लिए नींबू-अदरक का जूस मिक्स करके पीएं। नींबू-अदरक के मिक्स जूस में पर्याप्त मात्रा में पोटेशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। जूस में पाए जाने वाले ये तत्व हमारी स्किन अधिक खूबसूरत बनाते हैं।

करवा चौथ पर क्या है इस बार आपके ब्यूटी सिक्रेट्स

4 नवंबर, बुधवार को करवा चौथ का पावन पर्व मनाया जाएगा। यह दिन सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। इस अवसर पर महिलाएं 16 श्रृंगार कर अपने पति की लंबी आयु की कामना करती है। इस दिन महिलाएं दुल्हन की तरह सज-सवर कर तैयार होती है। इस खास दिन महिलाएं किसी भी तरह की कोई कमी नही रखना चाहती जिसके लिए कुछ दिन पहले से ही अपनी तैयारियां शुरू कर देती है। अगर आप भी चाहती है कि इस करवा चौथ आपके पति की निगाहें आप पर ही टिकी रह जाएं तो ये ब्यूटी सिक्रेट्स आपको जरूर पता होने चाहिए। इन टिप्स को अपनाकर आप अपने चेहरे पर नेचुरल ग्लो पा सकती है साथ ही इस खास अवसर पर बेहद खास नजर आ सकती है....।

इन फैसपैक से पाएं खूबसूरत और दमकता हुआ चेहरा..

चेहरे पर ग्लो लाना चाहती है, तो कुछ दिन पहले से ही आपको अपनी देखभाल करना शुरू कर देनी चाहिए। आप अपने चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी और शहद का फेस पैक से ग्लो के साथ एक दम क्लियर स्किन पा सकते है। इसके लिए आपको एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में एक चम्मच शहद को मिक्स करना है। फिर इसे अच्छी तरह से मिक्स करके इसे अपने चेहरे पर लगाकर कम से कम 15 मिनट के लिए छोड़ देना। इस फैसपैक को आप रात में सोने से पहले जरूर लगाएं। यह फेस पैक आपकी त्वचा की रंगत को निखारने का काम करेगा। साथ ही यदि चेहरे पर टैनिंग हो गई है, तो इसे हटाकर त्वचा को स्वस्थ और कोमल रखने में मदद करेगा। इस फेस पैक को बनाने के लिए आधा चम्मच हल्दी पाउडर के साथ दो बड़े चम्मच दही मिलाएं। पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। बाद में इसे पानी से धो लें। नींबू त्वचा में जमी गंदगी को निकालने का काम करता है। वहीं शहद में जीवाणुरोधी गुण होते हैं, जो आपकी त्वचा को साफ रखते हैं इन दोनों को समान मात्रा में मिक्स करके अपने चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। चेहरे पर नेचुरल ग्लो लाने के लिए यह फैसपैक बहुत कारगर है।

करवा चौथ पर सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली मेहंदी डिजाइन इमेजेज

करवा चौथ व्रत इस बार 04 नवंबर 2020, बुधवार को मनाया जाएगा। यह पर्व हिन्दू पंजांग के अनुसार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु की कामना के लिए रखती हैं। इस व्रत में महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रहती हैं। शाम को चंद्रमा के दिखने या उदय होने के बाद पूजा करती हैं और व्रत खोलती हैं। इस व्रत में शिव परिवार सहित चंद्र देवता की भी पूजा की जाती है। करवाचौथ की पूजा चंद्रोदय होने पर चंद्रमा को अर्घ दिया जाता है।

सदाबहार साड़ी

किसी भी ट्रेडिशनल ओकेशन पर साड़ी महिलाओं और लड़कियों की पहली पसंद होती है और साड़ी सदाबहार भी होती है। इसलिए इस बार भी करवा चौथ पर ट्रेडिंग फैशन में साड़ी इन हैं। आप इस करवा चौथ पर प्लेन या फिर हल्के वर्क वाली साड़ी पहन सकती है इसके साथ हैवी ब्लॉउज कैरी करें। वहीं आप नेट या शिफॉन की हल्के वर्क वाली साड़ी का चुनाव कर सकती है। लेकिन ख्याल रखें आपका ब्लॉउज हैवी होना चाहिए। न्यूड कलर काफी ट्रेंड में बने हुए है, तो आप इनको चुन सकती है। साड़ी के साथ हैवी झुमके जरूर पहनें।

अनारकली सूट

अनारकली सूट सिंपल और सोबर लुक के साथ आपको बिलकुल परफेक्ट लुक देता है। और इस सूट का चलन कभी पुराना हो ही नहीं सकता है। यह आपको रॉयल लुक देने में मदद करता है। आप अनारकली सूट में महरून कलर या रेड कलर ट्राई कर सकती है। फ्लोर लेंथ अनारकली सूट के साथ आप हैवी इयरिंग कैरी कर सकती है। इसी के साथ डार्क कलर की लिपस्टिक भी आप लगाएं ये आपको एक बेहतरीन लुक देगा।

प्लाजो सूट से पाएं एलिगेंट लुक

अगर इस करवा चौथ कुछ अलग ट्राई करना चाहती है, तो प्लाजो सूट आपके लिए है। आप प्लेन प्लाज़ो सूट के साथ हैवी बनारसी या सिल्क का दुपट्टा कैरी कर सकती हैं। साथ ही हैवी झुमके जरूर पहने। लाइट सा मेकअप करें, लेकिन लिपस्टिक आप डार्क ही लगाएं। आप चैरी रेड कलर की लिपस्टिक ट्राई कर सकती है।

धोती स्टाइल लुक

इस करवा चौथ आप इंडो-वेस्टर्न लुक

करवा चौथ पर क्या है इस बार का फैशन ट्रेंड्स

करवा चौथ का दिन हर सुहागिन महिला के लिए बेहद खास होता है। करवा चौथ पर महिलाएं निर्जला व्रत कर अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है। इस खास अवसर पर श्रृंगार का भी अपना ही एक महत्व होता है। इस दिन हर महिला सबसे खूबसूरत नजर आना चाहती है। ताकि पति की निगाहें उन्ही पर टीकी रह जाएं। जिसके लिए शोरजोर से शॉपिंग भी वे शुरू कर देती है। वहीं एक परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक के लिए आउटफिट का सही चुनाव बेहद जरूरी होता है। तो आइए जानते है इस बार के करवा चौत पर क्या फैशन ट्रेंड्स है, ताकि आप किसी से पीछे न रह जाएं। आइए जानते हैं..

पर भी जा सकती है। आजकल धोती स्टाइल पैंट के साथ कुर्ती या ट्यूनिक का काफी चलन है। इस ड्रेस को कैरी करने के बाद आप बिलकुल डिफरेंट लुक पा सकती है। इसके साथ ही आप स्मोकी आई मेकअप कर सकती हैं। और एक सुंदर सा नेकपीस ट्राई कर सकती हैं।

लहंगा

एक परफेक्ट और बेहतरीन लुक पाने के लिए लहंगा तो सबसे बेस्ट ऑपशन है। यदि आपकी नई-नई शादी हुई है, तो आपको इस करवा चौथ लहंगा पहनना चाहिए। वहीं आप अपने पुराने ब्लाउट की जगह आप एक नया ब्लाउज नई स्टाइल में स्टीच करवा सकती है। जिससे आपके लंहगे में नई जैसी चमक आ जाएं। ये आप तब कर सकती है जब आप अपने पुराने लहंगे को ही पहनने का मन बना रही हो।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

गस्ती के निधन से खाली हुई कनार्टक की राज्यसभा सीट के लिए एक दिसंबर को होगा उपचुनाव: चुनाव आयोग

नयी दिल्ली। कोविड-19 के कारण अशोक गस्ती के निधन के बाद खाली हुई कर्नाटक की राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव एक दिसंबर को होगा। चुनाव आयोग ने सोमवार को यह घोषणा की। गस्ती (भाजपा) का निधन 17 सितंबर को हो गया था। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल जून, 2026 में समाप्त होना था। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि उपचुनाव के लिए अधिसूचना 11 नवंबर को जारी की जाएगी। सामान्य प्रक्रिया की तरह मतगणना मतदान पूरा होने के एक घंटे बाद होगी।

नवी मुंबई निगम आयुक्त के बंगले में लगी आग, कोई हताहत नहीं

ठाणे। नवी मुंबई निगमायुक्त के बंगले में सोमवार दोपहर करीब एक बजे आग लग गई, जिससे बंगले की लॉबी क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एनएमएमसी के संभागीय अग्निशमन अधिकारी पुरुषोत्तम जाधव ने कहा कि मौके पर पहुंचे दो दमकल वाहनों और कर्मचारियों ने करीब 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है और आयुक्त अभिजीत भटनागर तथा उनका परिवार सुरक्षित है।

सुट्टा और बीड़ी पीने वालों की बढ़ी समस्या, दिल्ली में खोखों पर खुली सिगरेट नहीं मिलेगी!

भारत की राजधानी दिल्ली पिछले कई सालों से वायु प्रदूषण की समस्या से ग्रस्त है। हर साल प्रदूषण को रोकने के लिए कई तरह के उपाय किये जाते हैं लेकिन वह काम नहीं आने। दिल्ली के प्रदूषण के लिए कभी पराली को दोषी माना जाता है तो कभी दिवाली के पटाखों को, सब पर तमाम प्रतिबंध के बाद भी दिल्ली की हवा लोगों का दम घोंट रही है। प्रदूषण में सांस लेना एक दिन में 40 सिगरेट पीने के बराबर होता है। ऐसे में इस साल दिल्ली सरकार प्रदूषण को रोकने के लिए खुली सिगरेट पर बैन लगाने पर विचार कर रही हैं। केजरीवाल सरकार ने स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तम्बाकू उत्पादों के सेवन से लोगों को दूर करने के लिए और दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए खुली सिगरेट और बीड़ी की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। यानी की अगर सरकार खुली सिगरेट और बीड़ी की बिक्री पर बैन लगा देती है तो सिगरेट पीने वाले सिंगल सिगरेट दुकान से नहीं खरीद सकेंगे। अगर किसी को सिगरेट पीनी है तो उसे पूरी सिगरेट की डब्बी खरीदनी पड़ेगी।

एलएसी पर तैनात जवानों को तंदुरुस्त रखने के लिए कदम उठाती है एलएसी: महानिदेशक

जैसलमेर। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (म) के महानिदेशक एस एस देसवाल ने सोमवार को यहां कहा कि बल चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर कठोर परिस्थितियों में रहने के लिए अपने अधिकारियों तथा जवानों को तंदुरुस्त रखने के लिहाज से अनेक कदम उठाता है। यह क्षेत्र काफी अधिक सर्दी और ऑक्सीजन के कम स्तर जैसे अनेक पहलुओं के लिहाज से प्रतिकूल है। देसवाल ने कहा कि लद्दाख के जिस क्षेत्र में पिछले कुछ महीने से भारत और चीन की सेनाओं के बीच गतिरोध की स्थिति है, वह पूरी तरह सुरक्षित है और जवानों का मनोबल ऊंचा है। आईटीबीपी प्रमुख थार रेगिस्तान में तीन दिन लंबी 200 किलोमीटर की 'फिट इंडिया' वॉकाथन को समाप्त करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। वॉकाथन की शुरुआत 31 अक्टूबर को हुई थी और केंद्रीय खेल मंत्री किरन रिजिजू ने जिले के नाथूवाला गांव से उसे हरी झंडी दिखाई थी। देसवाल ने कहा, ''हमें चीन के साथ लगी हमारी 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा की सुरक्षा करने वाले बलों को फिट रखना जरूरी है। यह दुनिया का सबसे कठिन सीमाक्षेत्र है और 10,000 फुट से अधिक ऊंचाई पर है।'' आईटीबीपी प्रमुख ने कहा कि हम अपने जवानों के प्रशिक्षण को उन्नत बनाते रहते हैं ताकि वे प्रभावी तरीके से अपना काम कर सकें।

कांग्रेस विधायक के खिलाफ पुलिस कर्मियों को धमकी देने का मामला दर्ज

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में पुलिस ने कांग्रेस के एक विधायक और तीन अन्य लोगों के खिलाफ विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान पुलिस कर्मियों को धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) सचिन शर्मा ने सोमवार को बताया कि कथित घटना 29 अक्टूबर को जिले के भगवा पुलिस थाने में हुई। इसके बाद पुलिस के एक अधिकारी ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि छतरपुर के कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी और तीन अन्य लोगों के खिलाफ 30 अक्टूबर को भादंवि की धारा 147 (दंगा), धारा 353 (लोक सेवक को अपने कर्तव्य के निर्वहन से भयोपरत करने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), धारा 506 (आपराधिक धमकी) और अन्य संबद्ध धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि उपचुनाव में प्रचार अभियान में शामिल होने वाले कांग्रेस नेताओं के कुछ वाहनों को रोकने के बाद विवाद शुरू हुआ। इसके बाद कांग्रेस के नेताओं ने कथित तौर पर पुलिस अधिकारियों को धमकी दी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज त्रिवेदी ने हालांकि आरोप लगाया कि बड़ा मलहरा में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की 28 अक्टूबर को हुई चुनावी सभा में चरण सिंह यादव कांग्रेस में शामिल हुए।

मायावती की सफाई, राजनीति से ले लूंगी संन्यास, लेकिन बीजेपी से गठबंधन कभी नहीं

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में विधानसभा की सात सीटों पर मंगलवार को होने वाले मतदान से एक दिन पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा)की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के साथ मिले होने के आरोपों पर सफाई दी। मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी भाजपा की विचारधारा के विपरीत है और भविष्य में विधानसभा या लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ कभी गठबंधन नहीं करेगी। सोमवार को मीडिया से बातचीत में मायावती ने कहा कि उप चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस हमारी पार्टी के खिलाफ साजिश में लगी है और गलत ढंग से प्रचार कर रही है ताकि मुस्लिम समाज के लोग बसपा से अलग हो जाएं। उन्होंने कहा कि बसपा सांप्रदायिक पार्टी के साथ समझौता नहीं कर सकती है। हमारी विचारधारा सर्वजन धर्म की है और भाजपा की विपरीत विचारधारा है। मायावती ने कहा कि बसपा सांप्रदायिक, जातिवादी और पूंजीवादी विचारधारा रखने वालों के साथ कभी गठबंधन नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि वह राजनीति से संन्यास ले सकती हैं लेकिन ऐसी पार्टियों के साथ नहीं जाएंगी। उन्होंने दावा किया कि वह सांप्रदायिक, जातिवादी और पूंजीवादी विचारधारा रखने वालों के साथ सभी मोर्चों पर लड़ेंगी और किसी के सामने झुकेंगी नहीं। बसपा प्रमुख ने कहा कि यह सभी जानते हैं कि बसपा एक विचारधारा और आंदोलन की पार्टी है और जब मैंने भाजपा के साथ सरकार बनाई तब भी मैंने कभी समझौता नहीं किया। मेरे शासन में कोई हिंदू-मुस्लिम दंगा नहीं हुआ। इतिहास इसका गवाह है।

मायावती ने कहा कि बसपा ने विपरीत परिस्थितियों में जब कभी भाजपा से मिलकर सरकार बनाई तो भी कभी अपने स्वार्थ में विचारधारा के खिलाफ गलत कार्य नहीं किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जब भी सत्ता में आई तो भाजपा मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की मौजूदा सरकार सपा के कारण बनी है। उन्होंने याद दिलाया कि उप चुनाव में बसपा ने सात सीटों में दो पर मुस्लिम उम्मीदवार उतार कर उनको प्रतिनिधित्व दिया है। मायावती ने कहा कि यूपी में अपने अकेले दम पर या भाजपा के साथ मिलकर जब भी हमने सरकार बनाई तो मुस्लिम समाज का कोई नुकसान नहीं होने दिया, भले ही अपनी सरकार कुर्बान कर दी। उन्होंने विस्तार में जाए बिना कहा कि 1995 में जब भाजपा के समर्थन से मेरी सरकार बनी तो मथुरा में भाजपा और आरएसएस के लोग नई परंपरा शुरू करना चाहते थे लेकिन मैंने उसे शुरू नहीं होने दिया और मेरी सरकार चली गई। उन्हेंने कहा कि 2003 में मेरी सरकार में जब भाजपा ने लोकसभा चुनाव में गठबंधन के लिए दबाव बनाया तब भी मैंने स्वीकार नहीं किया। मायावती ने कहा कि भाजपा ने सीबीआई और ईडी का भी दुरुपयोग किया लेकिन मैंने कुर्सी की चिंता नहीं की। उन्होंने कहा कि सीबीआई और ईडी जब 2003 में मुझे परेशान कर रही थी तो उस समय कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का फोन आया था और न्याय दिलाने का वादा किया लेकिन लंबे समय तक कांग्रेस की सरकार रही लेकिन कोई मदद

नहीं की और मुझे अंततः सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिला। मायावती ने कहा कि बसपा के दलित उम्मीदवार को राज्यसभा में जाने से रोकने के लिए सपा ने पूंजीवादी प्रकाश बजाज को मैदान में उतारा, इसे बसपा कभी भूलेगी नहीं। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गत दिनों मायावती पर भाजपा से मिले होने का आरोप लगाते हुए कहा था कि राज्यसभा चुनाव में भाजपा और बसपा के गठबंधन को उजागर करने के लिए ही समाजवादी पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवार का समर्थन किया था। सपा ने निर्दलीय प्रकाश बजाज को समर्थन दिया था जिनका नामांकन बाद में निरस्त हो गया।

फ्रांस में आतंकी हमले पर विवादित बयान देने वाले शायर मुनव्वर राना के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ। शायर मुनव्वर राना के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में कथित रूप से धार्मिक आधार पर समूहों में दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार मुनव्वर राना ने फ्रांस में एक पत्रिका में प्रकाशित कार्टून और एक व्यक्ति की हत्या के संदर्भ में एक न्यूज चैनल को साक्षात्कार दिया था जिसमें उनका बयान कथित रूप से विभिन्न समुदायों में वैमनस्य फैलाने और सामाजिक सौहार्द पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि रविवार को हजरतगंज कोतवाली में तैनात एक उपनिरीक्षक ने मुनव्वर राना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। उनके खिलाफ धारा 153-ए (धर्म और के आधार लोगों में नफरत फैलाने की कोशिश),295-ए (किसी वर्ग की धार्मिक भावना का अपमान करने के इरादे से किया गया दुर्भावनापूर्ण कृत्य), 505(1(बी) (जनता के बीच भय पैदा करने के इरादे से शरारत करना और अपराध के लिए प्रेरित करना), 505 (2) (नफरत पैदा करने वाला बयान देना) तथा सूचना प्रोद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 की धारा 67 और 66 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। राना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराते हुए पुलिस उपनिरीक्षक ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे राना के बयान से लोक शांति भंग होने की पूर्ण आशंका है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने साक्षात्कार का संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की है और मामले की जांच की जा रही है।

अखिलेश बोले, बीजेपी को रोकने के लिए 2019 में जरूरी था बसपा से गठबंधन

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की एक ही चाहत समाजवादी पार्टी को हराना है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली राज्य सरकार और बसपा पर जमकर प्रहार किया। उन्नाव की पूर्व सांसद अनु टंडन को सोमवार को सपा में शामिल कराने के बाद अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 'सांप्रदायिक' भाजपा को रोकने के लिए 2019 में बसपा के साथ गठबंधन करना जरूरी था।अखिलेश ने कहा, 'मेरा मानना है कि डॉक्टर राम मनोहर लोहिया और डॉक्टर भीम राव आंबेडकर की विचारधारा एक रथ के दो पहिए की तरह है, इसीलिए बसपा के साथ गठबंधन किया था।' राज्य की सात विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लिटमस टेस्ट बताते हुए अखिलेश ने कहा कि जनता भाजपा को सबक सिखाने के लिए समय का इंतजार कर रही है। मायावती ने सोमवार की सुबह मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया, '' उप चुनाव में सपा और कांग्रेस

हमारी पार्टी के खिलाफ साजिश में जुटी है और गलत ढंग से प्रचार कर रही है ताकि मुस्लिम समाज के लोग बसपा से अलग हो जाएं।''

मायावती ने यह भी कहा कि बसपा कभी भाजपा के साथ समझौता नहीं कर सकती है। पूर्व सांसद अनु टंडन ने हाल में प्रदेश नेतृत्व पर आरोप लगाते हुए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। इसके पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम शेरवानी और पूर्व बसपा सांसद त्रिभुवन दत्त समेत कई प्रमुख नेताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। अखिलेश ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में ऐसी सरकार नहीं होनी चाहिए जिसकी और शब्दों का चयन ठीक न हो। उन्होंने कहा, 'सरकार चलाने वालों की ठेकों है और सच यह है कि ठेको नीति वाले सरकार चला रहे हैं। सरकार के पास प्रदेश चलाने का विजन नहीं है।' उन्होंने कहा कि सपा नेता आजम खान और मुनव्वर राना के खिलाफ सरकार के निर्देश पर अधिकारियों ने कार्रवाई की है, जो अनुचित है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा ने दलितों का बहुत नुकसान किया है। सरकार न विकास पर चर्चा करना चाहती है और न ही किसानों की बात करना चाहती है। कोरोना काल में लोगों को इलाज तक नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को रोकना है और इसके लिए सबको जोड़ने की जरूरत है। इस मौके पर अनु टंडन ने कहा कि सपा प्रमुख ने जो विकास कार्य किया है वह एक कार्यकाल में संभव नहीं था। उन्होंने कहा, 'सपा में आये हैं तो अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाना हमारा लक्ष्य है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ काम किया लेकिन 2019 के बाद स्थिति बदल गई।'' प्रियंका गांधी वाद्रा से नाराजगी के सवाल पर अनु ने कहा ''मुझे उनके साथ काम करने का मौका नहीं मिला।

महंगाई और मंदी को लेकर राहुल-प्रियंका ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने देश में 'मंदी' एवं महंगाई के मुद्दे को लेकर सोमवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पूंजीपतियों का विकास किया जा रहा है। राहुल गांधी ने बिहार में किसानों की ओर से मंडी की मांग किए जाने संबंधी खबर साझा करते हुए ट्वीट किया, ''देश के किसानों ने मांगी मंडी, लेकिन प्रधानमंत्री ने थमा दी भयानक मंदी।'' उन्होंने जो खबर साझा की उसके मुताबिक, बिहार के किसान पंजाब की तर्ज पर मंडियां चाहते हैं। प्रियंका गांधी ने लखनऊ हवाई अड्डे का प्रबंधन एक निजी समूह को दिए जाने संबंधी खबर साझा करते हुए आरोप लगाया, '' भाजपा का जनता को दीवाली का गिफ्टः भयंकर महंगाई, भाजपा का अपने पूंजीपति मित्र को दीवाली गिफ्ट = 6 हवाई अड्डे पूजीपंतियों को, पूंजीपतियों का विकास।

राज्यसभा के लिए उत्तर प्रदेश से दस सदस्य निर्विरोध निर्वाचित, भाजपा के 8, सपा-बसपा के एक-एक को मिली जीत

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की दस सीटों के लिए हुए द्विवार्षिक निर्वाचन में सोमवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी समेत सभी 10 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए। सोमवार को नामांकन वापसी की आखिरी तारीख थी। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को आठ जबकि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी को एक-एक सीट पर जीत मिली है। निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए सदस्यों को सहायक निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद मुशाहिद सईद ने उनके प्रमाण पत्र सौंपे। भाजपा से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अलावा अरुण सिंह, नीरज शेखर, बृजलाल, हरिद्वार दुबे, गीता शाक्य, सीमा द्विवेदी और बीएल वर्मा निर्वाचित हुए हैं।

समाजवादी पार्टी से प्रोफेसर राम गोपाल और बहुजन समाज पार्टी से रामजी गौतम निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। निर्वाचित सदस्य बृजलाल ने बताया कि उन सभी का कार्यकाल 25 नवंबर 2020 से 24 नवंबर 2026 तक रहेगा। दस सीटों के लिए कुल 11 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था। निर्दलीय उम्मीदवार प्रकाश बजाज ने समाजवादी पार्टी के समर्थन से नामांकन पत्र दाखिल किया था लेकिन तकनीकी त्रुटि की वजह से उनका नामांकन निरस्त हो गया। राज्यसभा में उत्तर प्रदेश कोटे से 31 सीटें हैं। इनमें अब सर्वाधिक 22 सीटें भारतीय जनता पार्टी की हो जाएंगी जबकि समाजवादी पार्टी के पास पांच और बसपा के खाते में तीन सीटें रहेंगी। कांग्रेस के पास अब उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की सिर्फ एक सीट रह जाएगी।

जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही के लिए अटॉर्नी जनरल ने नहीं दी सहमति

नयी दिल्ली। अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के कुछ अन्य न्यायाधीशों के विरुद्ध आरोप लगाने पर राज्य के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी तथा उनके प्रधान सलाहकार अजेय कल्लम के खिलाफ सोमवार को अवमानना कार्यवाही शुरू करने की सहमति नहीं दी। वेणुगोपाल की राय थी कि मुख्यमंत्री और उनके प्रधान सलाहकार का आचरण 'प्रथम दृष्टया' अवज्ञाकारी है, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए कार्यवाही शुरू करने की सहमति नहीं दी कि रेड्डी ने भारत के प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे को पत्र लिखा है और मामला उनके पास विचाराधीन है। भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने वेणुगोपाल को पत्र लिखकर रेड्डी तथा उनके सलाहकार के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की सहमति देने की मांग की थी। रेड्डी ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि उनकी लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गयी सरकार को गिराने और अस्थिर करने के लिए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का इस्तेमाल किया जा रहा है।

भारत कोरोना रिकवरी रेट के मामले में टॉप पर, 75 लाख से अधिक व्यक्ति हो चुके हैं ठीक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि भारत कोविड-19 से स्वस्थ होने के मामले में वैश्विक स्तर पर शीर्ष पर बना हुआ है जबकि सक्रिय मामलों में निरंतर गिरावट देखी गई है, जिसका प्रतिशत केवल दो महीनों में तीन गुना से अधिक कम हो गया है। इस संक्रमण से एक दिन में 53,285 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद सोमवार को इस महामारी से ठीक हुए लोगों की कुल संख्या 75,44,798 पहुंच गई है जबकि इसी अवधि में देश में 45,231 नये मामले सामने आये है। मंत्रालय ने बताया कि देश में अभी 5,61,908 लोगों का कोविड-19 का इलाज जारी है, जो कुल मामलों का 6.83 प्रतिशत है। देश में लगातार चौथे दिन उपचाराधीन लोगों की संख्या छह लाख से कम है।

उसने बताया, ''सक्रिय मामलों में निरंतर गिरावट देखी गई है, जिसका प्रतिशत केवल दो महीनों में तीन गुना से अधिक कम हो गया है। तीन सितम्बर को सक्रिय मामलों का प्रतिशत 21.16 प्रतिशत था।'' मंत्रालय ने बताया कि अब तक 11 करोड़ नमूनों की जांच हो चुकी है। देश की जांच क्षमता केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संयुक्त प्रयासों से देशभर में 2,037 प्रयोगशालाओं के साथ कई गुना हो गई है। देश में मरीजों के ठीक होने की दर 91.68 प्रतिशत हो गई है। एक दिन में सामने आये नये मामलों में से 78 प्रतिशत मामले दस राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से सामने आये है। मंत्रालय ने बताया कि एक दिन में कोविड-19 से 496 लोगों की मौत हुई है और मौत के नये मामलों में से 82 प्रतिशत 10 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार देश में एक दिन में कोविड-19 के 45,231 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के मामले बढ़कर 82,29,313 हो गए। वहीं इस दौरान 496 लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,22,607 हो गई।

शिवसेना की राज्यपाल कोश्यारी को नसीहत, बेलगाम विवाद पर कर्नाटक के अपने समरक्ष से करें बात

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को अपने कर्नाटक के समकक्ष से दक्षिणी राज्य के बेलगाम जिले में मराठी भाषी लोगों के साथ कथित तौर पर होने वाले 'अत्याचार' के बारे में 'कड़े शब्दों में' बात करनी चाहिए। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी की उस कथित टिप्पणी पर भी निशाना साधा गया कि जब तक सूरज और चांद का अस्तित्व रहेगा, बेलगाम तब तक कर्नाटक का हिस्सा रहेगा। इसमें कहा है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद (बेलगाम और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में) उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित है और वह यह देखकर अपना फैसला नहीं सुनाएगा कि आसमान में सूर्य और चंद्रमा मौजूद हैं या नहीं। महाराष्ट्र बेलगाम पर भाषायी आधार पर दावा करता है लेकिन यह वर्तमान में कर्नाटक का एक जिला है जो कि पूर्ववर्ती 'बॉम्बे प्रेसीडेंसी' का हिस्सा था। रविवार को महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्रियों ने बेलगाम के उन मराठी भाषी लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए काली पट्टी बांधी जो एक नवंबर को कर्नाटक के स्थापना दिवस को 'काले दिवस' के रूप में मनाते हैं। 'सामना' के संपादकीय में आरोप लगाया गया कि पिछले 60 वर्षों से कर्नाटक में संबंधित क्षेत्रों में मराठी लोगों, और संस्कृति पर 'क्रूर हमले' किए जा रहे हैं और 'काला दिवस' मनाया जाना उसी की प्रतिक्रिया है। इसमें कहा है कि बेलगाम विवाद को छोड़कर, दोनों राज्यों में अन्य राज्यों की तुलना में मजबूत सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यापार संबंध हैं, लेकिन जिस ''क्रूर तरीके'' से कर्नाटक में 20 लाख मराठी भाषी लोगों के साथ व्यवहार किया जाता है, उससे आक्रोश उत्पन्न होता है।

इसमें लिखा है, ''महाराष्ट्र के राज्यपाल को अपने कर्नाटक के समकक्ष से इन अत्याचारों के बारे में कड़े शब्दों में बात करनी चाहिए। कम से कम, उन्हें बेलगाम के प्रतिनिधिमंडल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का समय दिलाने में मदद करने की कोशिश करनी चाहिए।'' संपादकीय में आगे कहा गया है कि सावदी जैसे मंत्रियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि कर्नाटक के लाखों लोग महाराष्ट्र में व्यवसाय कर रहे हैं और खुशी से रह रहे हैं। रविवार को काली पट्टी बांधे महाराष्ट्र के मंत्रियों का उल्लेख करते हुए संपादकीय में कहा गया है कि यदि भाजपा और राज्य के अन्य दलों के नेता विरोध में शामिल हुए होते तो कर्नाटक के नेताओं को इस मुद्दे पर राज्यों की एकता का पता चला होता। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और प्रवीण दरेकर का नाम लिए बगैर, इसमें कहा गया है कि कम से कम महाराष्ट्र विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता ''लोगों की भावनाओं'' का सम्मान करने के लिए काली पट्टी लगा सकते थे। संपादकीय में लिखा है कि भाजपा कर्नाटक में सत्ता में है और अगर वहां मराठी भाइयों के खिलाफ ''अत्याचार'' किए जा रहे हैं तो महाराष्ट्र में पार्टी के नेताओं का दिल ''आंसुओं से भरना चाहिए।'' सामना के संपादकीय में लिखा है, ''ऐसा क्यों नहीं हुआ, केवल वे ही जानते हैं...यह प्रकाशित हुआ है कि चंद्रकांत दादा पाटिल (महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख) ने कहा कि बेलगाम और मराठी भाषी लोगों के अन्य गांवों को महाराष्ट्र में शामिल किया जाना चाहिए। यह कहने के लिए पाटिल का धन्यवाद।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)